RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 177 , रविवार, 09 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

साईकिल रेस में रफ्तार, मंच पर थिरके कदम, युवा चम्पारण महोत्सव में दिखा उत्साह 03

31 दिसंबर 2028 तक पुनौराधाम में भव्य मंदिर निर्माण होगा 04

गौरव मेरा कंफर्ट जोन नहीं डॉग वाले बयान पर आकांक्षा चमोला ने तोड़ी... 07

संक्षिप्त समाचार

यात्रियों से भरी बस पलटी, 7 की मौत

- 50 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर गिरी, अंदर फंसे एक दूसरे पर गिरे लोग

भरमौर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा में शनिवार सुबह एक प्राइवेट बस पलट गई। जिससे 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। हादसे में 11 यात्री घायल हो गए। जिन्हें तीसा अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद चंबा

मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। एसपी विजय कुमार सकलानी ने बताया कि बस सुबह 7 बजे बैरागढ़ से चंबा के लिए चली थी। बैरागढ़ से कुछ ही दूरी पर 'शर्मा कोच' बस चालुंज मोड़ के पास बेकाबू होकर पलटी, फिर 50 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार- बस पलटते ही मौके पर चीख पुकार मच गई। अंदर फंसे लोग एक दूसरे पर जा गिरे। जेसीबी की मदद से बस को तोड़ा गया, फिर अंदर फंसे मृतकों और घायलों को बाहर निकाला गया। इस दौरान लोग बचाव-बचाव चिल्लाते सुने गए। **18 के करीब यात्री सवार थे-** पुलिस के अनुसार- बस में ड्राइवर-कंडक्टर समेत 18 यात्री सवार थे। इनमें चार से 18 साल के छह बच्चे भी शामिल है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को तीसा अस्पताल पहुंचाया।

सरकार ने अरुणाचल की 27 जगह मैप में कीं शामिल

- चीन की वजह से ऐसा किया इसने कई बार भारतीय इलाकों के नाम बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश की 27 जगहों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं को आधिकारिक नक्शे पर दर्ज किया। यह कदम चीन की ओर से राज्य की जगहों के नाम बदलने की कोशिशों के बीच उठाया गया है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, यह काम अरुणाचल प्रदेश

सरकार से सलाह लेकर किया गया है। इसका मकसद इन जगहों की सही पहचान बताना और आम लोगों में जागरुकता बढ़ाना है।
इन नामों को आधिकारिक मानचित्रों में शामिल करने का मकसद प्रशासन को बेहतर बनाना है। इससे सरकारी रिकॉर्ड में एकरूपता आएगी, अलग-अलग विभागों के बीच बेहतर तालमेल होगा और आपदा के समय मदद पहुंचाने में आसानी होगी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि इन नामों के आधार पर लोगों के पासपोर्ट या दूसरे निजी दस्तावेजों में कोई बदलाव किया जाएगा।

रिपोर्ट में खुलासा, अब नए अवतार में दिखेगी दशकों पुरानी दोस्ती!

अमेरिकी प्रेशर के बीच भी भारत-रूस ने चल दिया बड़ा दांव

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी देशों के प्रेशर को धता बताते हुए भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को नेक्स्ट लेवल पर ले जाने की तैयारी चल रही है। दोनों देश इस तरह से अपनी रणनीतिक साझेदारी को डिजाइन कर रहे हैं जिसमें ग्लोबल पॉलिटिक्स में तेजी से बदलते जियोपॉलिटिकल हालात, आर्थिक और रणनीतिक बदलावों और अनिश्चितताओं का सामना कर सकें। यह साझेदारी इसलिए और भी अहम हो जाती है क्योंकि यूरेशियाई इलाका इंटरनेशनल सिस्टम में बड़े बदलावों का केंद्र बन रहा है। इससे सेंट्रल एशिया और उसके बाहरी इलाकों जिसमें साउथ एशिया भी शामिल है उनमें पावर का संतुलन बदल रहा है और इसके दूरगामी असर होने की संभावना हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत और रूस की रणनीतिक साझेदारी और उनके बीच आठ दशकों के डिप्लोमैटिक संबंध, ग्लोबल शांति और सुरक्षा के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगी।

- **भारत और रूस नये सिरे से गढ़ रहे रिश्ते-** रिपोर्ट में कहा गया है कि रणनीतिक और खास पार्टनर के तौर पर भारत और रूस ने

आपसी सहयोग और अलग-अलग इंटरनेशनल मंचों पर साथ मिलकर काम करने के अपने संकल्प को फिर से दोहराया है। भारत की पंचशील यानि पांच सिद्धांत वाली विदेश नीति की भावना के मुताबिक जो 1950 के दशक से ही इसकी पहचान रही है, यह आपसी रिश्ता एक ऐसी स्थिर और अनुमान लगाने योग्य आधारित हो और जिससे दोनों पक्षों को फायदा हो। रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच सालाना शिखर सम्मेलन-स्तर की बैठक भारत और रूस के बीच स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप डायलॉग के तहत स्थापित सबसे बड़ा संस्थागत बातचीत का जरिया थी। इसमें बताया गया कि 2025 के सालाना शिखर सम्मेलन में कई क्षेत्रों में अरबों डॉलर के बड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इन क्षेत्रों में रक्षा, जलवायु परिवर्तन, ध्रुवीय अनुसंधान, कानूनी मध्यस्थता, निवेश को बढ़ावा देना, ऊर्जा, व्यापार और नवाचार, कृषि, अंतरिक्ष और स्मार्ट सिटी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है महत्वपूर्ण समझौतों में चर्चा होगी।

मोजतबा खामेनेई की किसी भी पल हो सकती है मौत

- इजरायली मीडिया का दावा, ईरानी लीडर की हालत बेहद गंभीर

तेहरान (एजेंसी)। इजरायली मीडिया ने ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की सेहत बेहद खराब होने का दावा किया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मोजतबा की हालत गंभीर है और उनके बचने की कोई उम्मीद बाकी नहीं है। ऐसे में दुनिया को बहुत जल्द उनके निधन की खबर सुनने को मिल सकती है। पांच महीने से सार्वजनिक तौर पर नहीं देखे गए ईरानी लीडर के बारे में इजरायल से पहले भी कई दावे किए गए हैं। हालांकि ईरानी नेताओं ने कई मौकों पर

मोजतबा के स्वस्थ होने और बड़े फैसलों में उनके शामिल होने की बात कही है। 28 फरवरी को इजरायली-अमेरिकी हमलों में अपने पिता अली खामेनेई की मौत के बाद सुप्रीम लीडर बने मोजतबा की सेहत पर लगातार कई तरह की बातें होती रही हैं। इजरायल-अमेरिका के जिस हमले में मोजतबा के पिता और परिवार के कई दूसरे सदस्यों की मौत हुई थी, उसमें वह खुद भी घायल हुए थे।

अगले 35 साल आप जो करेंगे

वह विकसित भारत का आधार होगा

- आईआईटी छात्रों से मोदी बोले-सिर्फ सवाल मत पूछिए, समाधान भी खोजें
- दिल्ली आईआईटी के 57वें दीक्षांत समारोह में पीएम की छात्रों को सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को कई सीख दीं। उन्होंने कहा, हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां और जिम्मेदारियां होती हैं। इस पीढ़ी के लिए आने वाला समय और बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसलिए यह समझें कि अगले 35 साल में आपका काम विकसित भारत का आधार होगा। उन्होंने कहा, 'मैंने आईआईटी के कई पूर्व छात्रों की सफलता देखी है। उन्होंने ऐसी समस्याओं को पहचाना, जिन पर किसी ने ध्यान नहीं दिया था। इसलिए हमेशा सीखते रहें, सिर्फ सवाल न पूछें और उनके समाधान भी खोजें।'

कैंपस लाइफ और असल जिंदगी में बहुत अंतर होता है

कैंपस लाइफ और असल जिंदगी में बहुत अंतर होता है। आईआईटी में सिलेबस होता है और पता होता है कि कौन-सी परीक्षा देनी है। कौन-सा कोर्स पढ़ना है। उधर, असली जिंदगी में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। वहां यह भी खुद पहचानना पड़ता है कि असली सवाल क्या है। हर पीढ़ी के सामने अलग चुनौतियां और दायित्व होते हैं। देश ने गुलामी का दौर देखा। उस समय की पीढ़ी के सामने आजादी हासिल करना सबसे बड़ा लक्ष्य था। इसके लिए लोगों ने लंबा संघर्ष किया और त्याग व बलिदान दिए। आज की पीढ़ी की चुनौतियां और जिम्मेदारियां अलग हैं। अगले 35 साल में आप जो करेंगे, वह देश की कौन-सी जरूरत पूरी करेगा, यह आपको तय करना है। पीएम ने छात्रों को डिग्री दी और मेडल पहनाए। दीक्षांत समारोह में 3,000 से ज्यादा छात्र शामिल हुए। इनमें पीएचडी कर रहे 587 स्टूडेंट भी शामिल हैं। मोदी ने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत कैंपस में स्थापित परम प्रज्ञा नामक एआई बेस्ड हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटर का रिमोट से उद्घाटन किया। इस सुपरकंप्यूटर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, एडवांस्ड कंप्यूटिंग और रिसर्च में मदद मिलेगी।

पीएम बोले-

मैं बाबा बागेश्वर नहीं

पीएम ने छात्रों की मनोदशा पर हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, मैं बाबा बागेश्वर नहीं हूं, लेकिन कुछ तो आपके मन में चलता होगा। इसके बाद सभी लोग हंसने लगे। हर स्टूडेंट आने वाले कल के लिए कोई न कोई सपना देख रहा होगा। कोई अपनी पहली सैलरी का इंतजार कर रहा होगा, कोई स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहा होगा, तो कोई नई प्रतियोगिता की तैयारी कर रहा होगा। सभी के अपने सपने हैं। छात्र ऐसे समय में संस्थान से निकल रहे हैं, जब दुनिया तेजी से बदल रही है। शिक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन में लगातार बदलाव हो रहा है। टेक्नोलॉजी की रफ्तार इतनी तेज है कि यह कहना मुश्किल है कि अगले 20-30 साल में दुनिया कैसी होगी। जब भी बदलाव आता है, उसके साथ चुनौतियां और अवसर दोनों आते हैं। इंडस्ट्री और प्रोफेशन का स्वरूप बदलता रहेगा। इसलिए खुद को तैयार रखें, हर चुनौती का सामना करें।

आरएसएस की मूल विचारधारा आज भी नहीं बदली है: थरूर

- बोले-उनका मकसद देश को हिंदू राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाना है

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि आरएसएस का मुख्य मकसद भारत को हिंदू राष्ट्र और हिंदुत्व के रूप में आगे बढ़ाना है और यह मूल विचारधारा आज भी नहीं बदली है। थरूर ने ये बात मुंबई में शुक्रवार शाम को इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस के कार्यक्रम में कही। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के इसी कार्यक्रम में दिए बयानों को अच्छा संकेत माना है। उन्होंने कहा, मैं दस साल से संघ प्रमुख के बयानों को देख रहा हूं। अब उनमें बदलाव दिखता है। भागवत ने 6 जुलाई को जेन जी और जेन-अल्फा से 1 घंटे तक बातचीत की थी। भागवत ने कहा था, जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार हैं। हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई तभी तो जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। अलग सोच रखने वालों के साथ भी बातचीत की जा सकती है।

छात्रों के समर्थन में एबीवीपी का सीएम आवास तक मार्च

- पुलिस से झड़प में कई घायल, 10 स्टूडेंट्स हिरासत में

रांची (एजेंसी)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की झारखंड इकाई ने भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में शुक्रवार को रांची में मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च किया। मार्च की शुरुआत यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय से हुई। एबीवीपी कार्यकर्ताओं के सीएम हाउस मार्च के दौरान जब प्रदर्शनकारियों को रांची पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो कुछ प्रदर्शनकारी सड़क पर लेट गए और कुछ पुलिस की गाड़ी पर चढ़ गए। पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) अजय आर्यन ने बताया कि मुख्यमंत्री आवास के पास एबीवीपी कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हुई और उन्होंने अवरोधक तोड़ने की कोशिश की।

- **छात्रों की आवाज दबाने का आरोप-** हिरासत में लिए गए एबीवीपी के एक कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि पुलिस छात्रों की आवाज दबाने पर तुली हुई है। उनकी लड़ाई सरकार और उसकी नीतियों से है। छात्र और नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थी दो सप्ताह से अधिक समय से यहां जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में प्रदर्शन कर रहे हैं। वे 14वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं लेकिन राज्य सरकार उनकी मांगों पर विचार नहीं कर रही।

राहुल का सवाल-सरकार ने महिला आरक्षण लागू क्यों नहीं किया

- कांग्रेस नेता ने कहा-इसे परिसीमन से क्यों जोड़ रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि महिला आरक्षण बिल 2023 में ही संसद से सर्वसम्मति से पास हो चुका है और कांग्रेस ने इसका पूरा समर्थन किया था। लेकिन तीन साल बाद भी कानून लागू नहीं किया गया है। राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से सवाल किया कि महिला आरक्षण कानून को लागू करने में देरी क्यों हो रही है और इसे परिसीमन से क्यों जोड़ा जा रहा है। उन्होंने सरकार से 2023 में पारित कानून को बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग की। महिलाओं को आरक्षण नहीं मिलने का मुद्दा विपक्ष उठाता रहा है और इसे पूरी तरह लागू करने की बात कहता रहा है। जबकि सरकार परिसीमन के जरिए लोकसभा सीटें बढ़ाकर इसे लागू करने की बात कह रही है।

योगी के कार्यक्रम से पहले आसमान में दिखा संदिग्ध ड्रोन

- मेरठ पुलिस के हाथ पांव फूले, हड़कंप एटीएस ने की घेराबंदी

मेरठ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मेरठ दौरे से ठीक पहले उस समय पुलिस-प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए, जब कार्यक्रम स्थल के आसपास आसमान में एक ड्रोन उड़ता दिखाई दिया।

मुख्यमंत्री की सुरक्षा के मद्देनजर इलाके में पहले से ही भारी पुलिस बल और सुरक्षा एजेंसियां तैनात थीं। ऐसे में बिना अनुमति ड्रोन उड़ता देख अधिकारियों ने तत्काल उसे गंभीरता से लिया। ड्रोन दिखाई देने के बाद मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उसकी पहचान की।

- **संदिग्ध ड्रोन की हुई घेराबंदी-** पुलिस की ओर से साफ कहा गया कि जिस किसी का भी ड्रोन है, वह तत्काल उसे नीचे उतार ले, नही तो इसे मार गिराया जायेगा। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के बीच बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। इसके बाद मौके पर मौजूद एटीएस की ड्रोन टीम ने संदिग्ध ड्रोन की घेराबंदी करने का प्रयास शुरू कर दिया। बताया गया कि छानबीन हुई।

टीएमसी की पूर्व नेता के मंत्री बनने की पूरी संभावना

- सायोनी घोष को ट्रोल होने का मिल सकता है ईनाम
- पीएम मोदी से मिलकर सायोनी ने साझा किया वीडियो

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बाद जब टीएमसी के 20 सांसद बागी हुए थे तो अविवाहित और सबसे युवा सायोनी घोष सबसे ज्यादा ट्रोल हुई थीं। इसकी वजह उनके पिछले भाषण थे। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद सायोनी घोष दंगल-दंगल गाने के साथ एक्स पर पोस्ट साझा करके बड़े संकेत दे दिए हैं। दावा किया जा रहा है कि प्रमोशन लिस्ट में सायोनी घोष का नाम शामिल है। मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल होने पर उन्हें राज्यमंत्री बनाया जा सकता है। सायोनी घोष उम्र के उस क्राइटेरिया पर फिट बैठ रही है जिसके इर्द-गिर्द बीजेपी स्क्रीनिंग कर रही है। वे अभी 33 साल की हैं।

बीजेपी देना चाहती है बड़ा मैसेज

दिल्ली के राजनीतिक हलकों से लेकर कोलकाता तक चर्चा है कि सायोनी घोष को लेकर बीजेपी नेतृत्व अब सहज है। वह सायोनी के प्रमोशन से एक मैसेज देना चाहता है, ताकि लोगों को ये पता चले कि बीजेपी कोई ऐसी पार्टी नहीं है जो किसी चीज पर अड़ जाए और आप में टैलेंट हैं तो पार्टी के दरवाजे खुले हैं। सायोनी ने मोदी से मुलाकात के बाद लिखा जिंदगी भर ये पल याद रहेगा। सायोनी घोष काफी युवा हैं। वे युवाओं में लोकप्रिय भी हैं। एक राज्यमंत्री में सायोनी घोष का नाम शामिल हो सकता है।

अभिनेत्री, गायिका फिर सांसद, अब मंत्री की बारी!

27 जनवरी, 1993 को जन्मी सायोनी घोषी जेन जेड में नहीं आती हैं लेकि वह काफी नजदीक हैं। जेन जी का आयु वर्ग 1997 से 2012 तक है। राज्य मंत्री के तौर पर उन्हें अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। सायोनी घोष

अभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर से सांसद हैं। यह भी संभावना जताई जा ही है कि अगर प्रमोशन में वह अच्छा काम करती है तो कि अगला चुनाव बीजेपी से ही लड़ें। टीएमसी के बागी सांसदों के पीएम नरेंद्र मोदी से मिलने पर जहां तस्वीरें वायरल हो रही है तो इसके बाद ममता बनर्जी की टीएमसी के नेता कुनाल घोष की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने लिखा मैं उत्सुक हूं कि यह तस्वीर देखकर बीजेपी कार्यकर्ता क्या करते हैं।

डीपफेक पर मेटा से मोदी सरकार की दो टूक

- कार्रवाई करो या जवाबदेही के लिए तैयार रहो!

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने मेटा से डीपफेक पर कार्रवाई करने को कहा है। वहीं मेटा के साथ हुई बैठकों के नतीजों की समीक्षा के बाद आगे उठाए जाने वाले कदमों को लेकर कानूनी राय ली जाएगी। सूत्रों ने कहा कि मूल सवाल यह है कि मेटा भारतीय कानून के तहत मध्यस्थों के लिए निर्धारित

प्रावधानों का पालन कर रहा है या उनका उल्लंघन कर रहा है और सरकार इस पहलू की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अन्य ऑनलाइन मंचों को भी बुलाएगी और यह जांच करेगी कि क्या वे भारतीय कानून के तहत मध्यस्थ की परिभाषा के दायरे में आते हैं।

मेटा की टीम से दो दिन की कड़ी पूछताछ

केंद्र सरकार ने वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा की टीम से दो दिन की कड़ी पूछताछ के बाद शुक्रवार को तीसरे दिन तकनीकी स्तर पर विस्तृत चर्चा की, जिसमें डीपफेक, बाल यौन शोषण सामग्री और बिना लेबल वाली एआई-जनित सामग्री के संबंध में कंपनी की कार्ययोजना पर विशेष ध्यान रहा। मेटा के साथ सरकार की यह बैठक पोस्ट पर अस्थायी रोक के बाद बुलाई गई थी।

संक्षिप्त समाचार

युवक ने की आत्महत्या, हफ्तेभर पहले की थी लव मैरिज, युवती के परिजनों ने कराई थी अपहरण की एफआईआर

हाजीपुर। वैशाली के पातेपुर थाना क्षेत्र के खेसराही वार्ड नंबर-1 में प्रेम प्रसंग से जुड़े विवाद के बाद एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अरुण कुमार सिंह के पुत्र आशीष कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि आशीष कुमार का सकरा थाना क्षेत्र के गनीपुर बेझा गांव की एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। आशीष वहां चिमनी पर जेसीबी चलाता था। करीब एक सप्ताह पहले दोनों घर से चले गए थे और शादी कर ली थी। युवक ने शादी से जुड़ी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की थीं, जो वायरल हो गई थीं। मृतक की मां पुनीता देवी के अनुसार, युवती के परिजनों ने सकरा थाने में आशीष के खिलाफ अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस के पहुंचने पर आशीष ने खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। युवती की बरामदगी के बाद उसका धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराया गया और उसे परिजनों के साथ भेज दिया गया। आशीष को भी घर भेज दिया गया था। परिजनों ने बताया कि घर लौटने के बाद आशीष तनाव में था। शुक्रवार देर रात परिजनों ने देखा कि घर में बिजली होने के बावजूद पंखा नहीं चल रहा था। खिड़की से देखने पर आशीष पंखे से लटका हुआ मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर हाजीपुर सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना स्थल पर एफएसएल टीम भी पहुंची और आवश्यक साक्ष्य व नमूने एकत्र किए। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

सिक्सलेन पुल पर रील बनाते समय एक्सीडेंट, 3 गंभीर घायल

हाजीपुर। वैशाली के कच्ची दरगाह सिक्सलेन पुल पर रील बनाने के दौरान एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना पुल के पाया नंबर 57 के पास हुई बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक अपनी बाइक से नए बने सिक्सलेन पुल पर पहुंचे थे। वे बाइक की स्पीड चेक करते हुए एक रील वीडियो बनाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घायलों की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के चक सिकंदर कल्याणपुर गांव निवासी रोहित कुमार (28), संजीवन पासवान (28) और अनुराग प्रताप (17) के रूप में हुई है। हादसे के बाद, स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बिदुपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद, उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि इनमें से दो युवकों की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवक की करंट लगने से मौत, वैशाली के महुआ में मजदूरी करते समय हुआ हादसा

हाजीपुर। वैशाली के महुआ में मजदूरी के दौरान एक युवक की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार सुबह फुलवरिया गांव में हुई, जहां चकमजाहिद निवासी रंजन कुमार काम कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे 28 वर्षीय रंजन कुमार फुलवरिया गांव स्थित एक निजी मकान में मजदूरी का काम कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें बिजली का तेज करंट लगा, जिससे वे गंभीर रूप से झुलस गए। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक रंजन कुमार चकमजहिद गांव निवासी तारकेश्वर राय के पुत्र थे। वे अपने चार भाइयों में बीच के थे। रंजन विवाहित थे और उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बेटी हैं। रंजन की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पूरे गांव में शोक का माहौल है। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पिता बोले-'बहू ने प्रेमी संग मिलकर कराई बेटे की हत्या'

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र के पहाड़पुर पकड़ी गांव निवासी करीब 30 वर्षीय सुबोध पासवान की कोलकाता में हत्या कर दी गई। शुक्रवार को शव गांव पहुंचते ही परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने आरोपी के घर के सामने शव रखकर पुलिस से कार्रवाई और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। घटना को लेकर गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। हत्या के वास्तविक कारण, घटना में अन्य लोगों की भूमिका और मृतक के पिता की ओर से दिए गए आवेदन पर पुलिस जांच कर रही है। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, सुबोध की पत्नी रीमा देवी का पड़ोस के रहने वाले अविनाश कुमार से करीब एक साल से कथित प्रेम प्रसंग चल रहा था। करीब डेढ़ माह पहले अविनाश रीमा को अपने साथ ले गया था। उस समय परिजनों और ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद पंचायत हुई, जिसमें दोनों को अलग रहने का फैसला लिया गया था। इसके बाद मामला शांत हो गया था। परिजनों के मुताबिक, सुबोध करीब 15 दिन पहले मजदूरी करने कोलकाता गया था। वहां वह लेथ मशीन पर काम करता था। आरोप है कि अविनाश भी उससे पहले कोलकाता पहुंच गया था। 5 अगस्त को लिलुआ क्षेत्र में सुबोध की हत्या कर दी गई। घटना के बाद आरोपी के फरार होने की बात कही जा रही है। सुबोध की शादी करीब आठ साल पहले हुई थी। उसकी सात वर्षीय बेटी कशिश कुमारी है। सुबोध की मौत के बाद पत्नी और बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि प्रेम प्रसंग के चलते सुबोध की हत्या की साजिश रची गई और उसे काम के बहाने कोलकाता भेजा गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मृतक के पिता कालीचरण पासवान ने 4 अगस्त को महुआ थाने में आवेदन देकर अपनी बहू रीमा देवी और उसके प्रेमी अविनाश कुमार के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे। परिजनों का आरोप है कि आवेदन देने के बावजूद पुलिस ने समय रहते कार्रवाई नहीं की। उनका कहना है कि यदि शिकायत पर तत्काल कार्रवाई होती तो सुबोध की जान बच सकती थी। ग्रामीणों के मुताबिक, आरोपी अविनाश कुमार (32) को उसके पिता जगरनाथ साह ने बचपन में गोद लिया था। बताया गया कि जगरनाथ साह की अपनी कोई संतान नहीं थी। ग्रामीणों के अनुसार, अविनाश शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। मृतक सुबोध और आरोपी अविनाश के घर एक-दूसरे से सटे हुए हैं। ग्रामीणों ने अविनाश पर अवैध शराब कारोबार से जुड़े होने का भी आरोप लगाया है।

वैशाली में 3 वरिष्ठ पत्रकार किए गए सम्मानित

हाजीपुर। वैशाली जिला प्रशासन ने तीन वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया है। जिला पदाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह ने रविशंकर सिंह, सुरेन्द्र मानपुरी और शुकदेव आजाद को शॉल, मोमेंटो और प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर यह सम्मान दिया। इन पत्रकारों को दशकों से निष्पक्ष, तथ्यपरक और जनसरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता के लिए सराहा गया। इस अवसर पर डीएम वर्षा सिंह ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि पत्रकार समाज और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करते हैं, जनहित के मुद्दों को सामने लाते हैं और आम लोगों तक सही जानकारी पहुंचाकर लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। डीएम ने सम्मानित वरिष्ठ पत्रकारों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने लंबे पत्रकारिता जीवन में अनेक चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने सत्य, निष्पक्षता, संवेदनशीलता और जनहित को हमेशा प्राथमिकता दी। उनका अनुभव और कार्यशैली नई पीढ़ी के पत्रकारों के लिए प्रेरणास्रोत है। रविशंकर सिंह वर्ष 1970 से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने विभिन्न समाचार पत्रों के साथ-साथ यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (UNI) से भी जुड़कर काम किया। पांच दशक से अधिक के अपने अनुभव के दौरान, उन्होंने बदलते मीडिया परिवेश में भी तथ्यपरक और जनसरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता को प्राथमिकता दी। सुरेन्द्र मानपुरी और शुकदेव आजाद ने भी वर्षों तक विभिन्न समाचार पत्रों में सक्रिय पत्रकारिता करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इन तीनों पत्रकारों ने जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने, समाज को जागरूक करने और आमजन की आवाज को प्रभावी मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चार दिन से लापता युवक की बेसमेंट में मिली लाश

पत्थरबाजी के बाद दुकानें हुईं बंद, भाई बोला- कचरा चुनने घर से निकला था

एजेंसी, पटना

पटना के न्यू डाकबंगला चौराहे पर हेड़ा एंक्लेव के बेसमेंट में शनिवार को कचरा चुनने वाले की लाश मिली है। हाथ में 'जय श्री राम' लिखा हुआ एक बैंड भी लगा हुआ है। मृतक की पहचान कमला नेहरू नगर के रहने वाले सोनू उर्फ शुक्ला (19) के रूप पर हुई है। जो 4 दिन से लापता था। मृतक के भाई छोटू ने बताया, 'कचरा चुनने जा रहे कहकर घर से निकला था, फिर लापता हो गया। हमने कोतवाली थाने में शिकायत की थी। पिछले साल ही उसकी शादी हुई थी।'

लाश की सूचना के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई। मृतक के परिजन भी पहुंच गए। जिन्होंने पथराव शुरू कर दिया। लोग इधर-उधर भागने लगे। दुकानें बंद कर दी गई। मामला गांधी मैदान थाना क्षेत्र का है।

तेज दुर्गंध आने पर लाश तक पहुंचे स्थानीय लोगः स्थानीय दुकानदारों के मुताबिक, बेसमेंट से काफी देर से दुर्गंध आ रही थी। शक होने पर जब लोगों ने अंदर जाकर देखा तो एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। इसके बाद दुकानदारों ने इसकी सूचना डायल-112 को दी।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि व्यक्ति की मौत कैसे और कब हुई। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि वह काफी समय से वहां पड़ा था। पुलिस ने आसपास जांच-पड़ताल की। मौके पर गांधी मैदान थानेदार अखिलेश मिश्रा भी मौजूद हैं। वे लोगों को लगातार समझने की कोशिश में जुटे हैं।

बैरिया बस स्टैंड से 21 किलो मादक पदार्थ के साथ दो गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना में एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) और पटना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के बैरिया बस स्टैंड के पास से 21 किलोग्राम मादक पदार्थ के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अररिया जिले के फारबिसगंज निवासी सोनू कुमार और रूपेश कुमार के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों युवक अररिया के फारबिसगंज से यह मादक पदार्थ लेकर पटना पहुंचे थे। वे शहर में किसी व्यक्ति को इसकी खेप सप्लाई करने की तैयारी में थे।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मादक पदार्थ की एक बड़ी खेप पटना लाई जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद एसटीएफ और रामकृष्ण नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने बैरिया बस स्टैंड के पास घेराबंदी की। संदिग्ध युवकों की तलाशी लेने पर उनके पास से कुल 21 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किया गया, जिसके बाद उन्हें मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

घटना की पुष्टि करते हुए पटना सदर-2 के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीपीओ) रंजन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह खेप किसके लिए लाई गई थी और इस तस्करी नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पूछताछ के आधार पर जल्द ही इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जाएगी।

पप्पू यादव ने प्रशांत किशोर को बताया बहरूपिया

एजेंसी, पटना

छात्र आंदोलन को लेकर सांसद पप्पू यादव ने शनिवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने छात्र आंदोलन को लेकर सरकार और विपक्ष दोनों पर निशाना साधा। पप्पू यादव ने कहा कि आंदोलन अब चिंताजनक मोड़ पर पहुंच गया है और छात्रों को व्यक्तिगत तौर पर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, "मतभेद होना चाहिए, लेकिन व्यक्तिगत हमला नहीं होना चाहिए। छात्र बोल रहे हैं कि उन्हें टारगेट करके मारा जा रहा है।"

तेजस्वी को घेरते हुए पप्पू यादव ने प्रशांत किशोर को एक्सीडेंटल MLA बताया। उन्होंने कहा, 'तेजस्वी का दुष्टयी प्रवृत्ती वाली राजनीति और कमजोर विपक्ष की वजह से वह विधायक बने हैं।' पप्पू यादव ने कहा, 'प्रशांत किशोर अपने आप को ईमानदार कहते हैं। 15 तारीख के बाद पीके के एक-एक रुपए के बारे में खुलासा करुंगा।'

पप्पू यादव ने कहा, 'मेरा सवाल विपक्ष के नेता से है कि सब कुछ नाश करके, पूरे प्रदेश के सामाजिक न्याय को बर्बाद करके, आप बंटी यादव के परिवार को 20 दिन के बाद 5 लाख देने गए थे। तो 1 लाख भरत तिवारी और NEET की बच्ची के परिवार को भी दे देते।' भाई वीरेंद्र ने बता दिया कि वह विधायक क्यों बने। उन्होंने चमड़ी, दमड़ी, शराब, शबाब, ड्रग्स के बारे में बता दिया। अब पप्पू यादव को कुछ बोलने की जरूरत नहीं है। भाई वीरेंद्र लालूवादी आदमी है। वह बहुत ही ईमानदार आदमी है। 2 करोड़ रुपए उन्हें पार्टी तोड़ने के लिए दिया जा रहे थे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने कहा कि मरना पसंद करूंगा, लेकिन लालू को नहीं छोड़ूंगा।'

9800 टन कूड़ा उठाया, फिर भी दिख रहा कचरा

एजेंसी, पटना

❐ पटना नगर निगम ने 400 से अधिक गाड़ियां उतारी, सफाई व्यवस्था सामान्य होने में लगेंगे तीन दिन

पटना नगर निगम समेत बिहार के सभी नगर निकायों में आठ दिनों की हड़ताल के बाद शुक्रवार को सभी सफाईकर्मी काम पर लौट आए हैं। राजधानी में सफाई व्यवस्था बहाल करने की कवायद तेज कर दी गई है। नगर निगम ने दावा किया कि राजधानी से करीब 9,800 टन कचरे का उठाव किया गया। इसके लिए 400 से अधिक कचरा उठाने वाले वाहनों को सड़क पर उतारा गया। इसके बावजूद शहर में कई इलाकों में कचरा दिख रहा है और अधिकांश घरों तक डोर टू डोर कचरा उठाव की गाड़ी नहीं पहुंच सकी। निगम का कहना है कि पहले मुख्य सड़कों और प्रमुख कचरा प्वाइंटों से कचरा हटाया जा रहा है। इसके बाद गलियों और मोहल्लों में सफाई अभियान तेज किया जाएगा।

बारिश से बढ़ा कचरे का वजन, एक-दो गलियों में ही भर जा रहे वाहनः सफाईकर्मियों के मुताबिक, कई इलाकों में स्थिति ऐसी है कि घरों से कचरा उठाव के लिए एक से दो गलियों में ही जाने पर गाड़ी भर जा रहा। इसके बाद भी कुछ जगहों पर कचरा बच जा रहा है, जिसे अगले चक्कर में उठाया जा रहा है। बारिश के कारण कचरे में पानी भर जाने से उसका वजन बढ़ गया है, जिससे वाहनों में कम मात्रा में कचरा आ रहा है।

नूतन राजधानी अंचल- यहां बंदर बगीचा, चिरैयाटांड़ पुल के नीचे और डाकबंगला क्षेत्र में एकत्रित कचरे का उठाव कराया गया। अभियान के दौरान लगभग 3600 टन कचरे का निष्पादन किया गया।

पाटलिपुत्र अंचल- यहां अशोक राजपथ, गांधी मैदान एवं कुर्जी क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाकर लगभग 1800 टन कचरे का उठाव किया गया। अजीमाबाद अंचल- यहां अशोक राजपथ, निशका कॉलोनी, नूरानी बाग पार्क रोड, चांद कॉलोनी, शेरशाह पथ, भद्र घाट रोड, दुर्गा चरण लेन, बड़ी पटन देवी रोड, पंचवटी कॉलोनी, बेलवरगंज, नवाब बहादुर रोड, कागजी बेगम कॉलोनी, गुलजारबाग स्टेशन रोड तथा बिजली कार्यालय के समीप विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान लगभग 1100 टन कचरे का उठाव किया गया। कंकड़बाग अंचल- यहां ओल्ड बाइपास रोड, शालीमार स्वीट्स, मेदांता, बस स्टैंड रोड, 90 फीट रोड, हनुमान नगर, काली मंदिर रोड, विजय नगर, कांटी फैक्ट्री रोड, भूतनाथ रोड एवं गांधी नगर रोड पर विशेष सफाई अभियान चलाकर लगभग 3000 टन कचरे का उठाव किया गया। बांकीपुर अंचल- यहां अशोक राजपथ, बारी पथ, ठाकुरबाड़ी रोड, चूड़ी मार्केट, नाला रोड, महुआ टोली रोड, गोविंद मित्रा रोड, लोहानीपुर मेन रोड, मैला टंकी रोड, आर्य कुमार रोड, खजांची रोड एवं बाजार समिति रोड से कचरा हटाया गया। घरों, प्रतिष्ठानों एवं सड़क किनारे से लगभग 332 टन कचरे का उठाव किया गया। पटना सिटी अंचल- यहां अशोक राजपथ, बटाऊं कुआं, चौक शिकारपुर, आरा मिल, गुरु गोविंद सिंह लिंक पथ, पटना साहिब स्टेशन एवं मोचीं रोड सहित विभिन्न स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान लगभग 50 टन कचरे का उठाव किया गया।

गुरुवार को नगर विकास मंत्री नीतीश मिश्रा के साथ वार्ता के बाद कर्मचारी संगठनों ने हड़ताल वापस लेने की घोषणा की थी। सफाईकर्मियों की मांगों पर राज्य सरकार ने सैद्धांतिक सहमति दी है। विभाग के सचिव अनिमेष कुमार पराशर की अध्यक्षता में राज्य सरकार द्वारा एक कमेटी गठन किया जाएगा, जो मांगों पर विचार कर एक माह के भीतर मंत्री को रिपोर्ट देगी।

पटना यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह में हंगामा, राज्यपाल संग ग्रुप फोटो नहीं होने पर भड़के छात्र, 38 को गोल्ड मेडल

एजेंसी, पटना

♦ 1305 पीजी स्टूडेंट को मिली डिग्री

पटना यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह आज पटना विमेंस कॉलेज के वेरोनिका ऑडिटोरियम में मनाया जाएगा। इस समारोह में पीजी सत्र 2023-25 के 38 छात्र गोल्ड मेडल से सम्मानित हुए। इनमें 28 छात्राएं और 10 छात्र शामिल हैं। इस समारोह में कुल 1,305 पीजी विद्यार्थियों और 155 पीएचडी शोधार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल सह कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने की।

राज्यपाल के सामने ही हो गया हंगामाः कार्यक्रम में राज्यपाल के सामने ही हंगामा हो गया। गोल्ड मेडलिस्ट को सम्मानित करने के बाद सभी डिपार्टमेंट का अलग-अलग ग्रुप फोटो हो रहा था। इस बीच मास कम्यूनिकेशन डिपार्टमेंट के छात्रों ने स्टेज पर बुलाकर सम्मानित करने और ग्रुप फोटो खींचने के लिए कहा। ऐसा नहीं होने पर छात्र राज्यपाल के सामने ही हंगामा करने लगे और राज्यपाल बीच कार्यक्रम से ही उठकर निकल गए।

प्रसिद्ध फिजिक्स साइंटिस्ट और प्रोफेसर भी हुईं शामिलः दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित किया। प्रो. टंडन 4 सितंबर 2023 से DDU यूनिवर्सिटी की वीसी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रही हैं। वे एक जानी-मानी फिजिक्स साइंटिस्ट और प्रोफेसर हैं। उन्होंने स्पेक्ट्रोस्कोपी के क्षेत्र में काफी रिसर्च किया है।

उनके 250 से ज्यादा रिसर्च पेपर और 32 से अधिक किताबों के चैप्टर छप चुके हैं। उनके काम को दुनिया भर में 4,000 से अधिक बार कोट (साइटेशन) किया गया है। उन्होंने कई स्टूडेंट्स को पीएचडी और रिसर्च में गाइड किया है। उन्हें फुलब्राइट-नेहरू, अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट (जर्मनी), जेएसपीएस (जापान), सीएनआरएस (फ्रांस) और आईसीटीपी जैसी मशहूर अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप मिल चुकी हैं। इसके अलावा यूजीसी रिसर्च अवॉर्ड और मिड-कैरियर अवॉर्ड भी उन्हें मिले हैं।

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से की मुलाकात

एजेंसी, पटना

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने पुष्पगुच्छ भेंट कर केंद्रीय मंत्री का अभिनंदन किया।

मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र के समग्र विकास, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण तथा प्रदेशवासियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

निशांत कुमार ने बिहार में स्वास्थ्य क्षेत्र में राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे कार्यों और भविष्य की प्राथमिकताओं से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार से सहयोग एवं समन्वय की आवश्यकता पर भी चर्चा की।

दोनों नेताओं ने केंद्र और बिहार सरकार के बीच बेहतर समन्वय एवं सहयोग के माध्यम से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को और सशक्त बनाने तथा जनहित में स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति देने को लेकर भी विचार-विमर्श किया।

खगड़िया में पुल के ऊपर बह रही गंगा

एजेंसी, पटना

♦ दियारा इलाके में मुश्किलें बढ़ीं, बिहार के 19 जिलों में बारिश का अलर्ट

बिहार में मानसून एक्टिव है। इससे प्रदेश के विभिन्न जिलों में पिछले कुछ दिनों से बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी शनिवार को 19 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आकाशीय बिजली भी गिरने की आशंका है और 40kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, आज उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में हल्की बारिश होगी। मध्य और दक्षिण बिहार के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। वहीं, पटना में बादल छाए रहेंगे। पिछले 24 घंटे में पटना, बेगूसराय सहित 5 जिलों में बारिश हुई। पटना में दिनभर बादल छाए रहे। हल्की बंदू-बांदी होती रही। वहीं, नेपाल में हो रही बारिश से मुजफ्फरपुर में बागमती नदी उफान पर है। बकुची गांव में 12 से अधिक घर डूब गए हैं। बगहा में गंडक का पानी 2 पंचायतों की 300 घरों में घुस गया है। पटना में 8 से 11 अगस्त तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। इसके बाद बारिश भी होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री तक रह सकता है। पटना के कई इलाकों में आज तेज बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में अब तक 362.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि सामान्य बारिश 560.4 मिमी होनी चाहिए थी। यानी राज्य में अब भी 35 प्रतिशत बारिश की कमी बनी हुई है।

'बिहार सरकार दिल्ली से चल रही, सीएम सम्राट रबर स्टांप'

एजेंसी, पटना

❐ दिनारा हत्याकांड पर तेजस्वी बोले- इस सरकार में कानून-व्यवस्था ध्वस्त, अपराधियों का बोलबाला, खजाना भी खाली

रोहतास के दिनारा में चंदेश्वर चौधरी की हत्या के मामले को लेकर बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सम्राट चौधरी सरकार पर जमकर हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने बताया कि आज वह रोहतास के दिनारा जाकर चंदेश्वर चौधरी के परिजनों से मुलाकात करेंगे। पटना से दिनारा के लिए रवाना होने से पहले तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है। अपराधियों का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि, 'हम पीड़ित परिवार से मुलाकात करेंगे और राजद की ओर से परिवार को आर्थिक सहायता भी दी जाएगी।'

दिनारा हत्याकांड में आरोपियों को बचाने का लगाया आरोपः तेजस्वी यादव ने कहा, 'दिनारा में जिस तरह से चंदेश्वर चौधरी की निर्मम हत्या की गई, वह बेहद गंभीर घटना है। इस मामले में जो आरोपी हैं, उन्हें बचाने का प्रयास किया जा रहा है। मजदूरी मांगने गए पिछड़े परिवार के लोगों के साथ मारपीट की गई और उनकी हत्या कर दी गई।'

सम्राट सरकार आने के बाद अपराध बेतहाशा बढ़ा- तेजस्वीः तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'जब से बिहार में सम्राट चौधरी की सरकार बनी रही है, तब से अपराध बेतहाशा बढ़ा है। अपराधी गरीबों पर अत्याचार कर रहे हैं और पुलिस छात्रों पर गोली चला रही है।' उन्होंने कहा, 'बिहार में ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है, जहां आम लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।' तेजस्वी ने कहा, 'सरकार कानून-व्यवस्था संभालने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। जगह-जगह कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही हैं।'

बिहार में पुलिसिया शासन बनाने की कोशिश- तेजस्वीः तेजस्वी यादव ने छात्रों पर गोली चलाए जाने का मुद्दा उठाते हुए सरकार पर आरोप लगाया, 'बिहार में पुलिसिया शासन बनाने की कोशिश की जा रही है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बिहार को इन लोगों ने बर्बाद कर दिया है।' तेजस्वी यादव ने सरकार की आर्थिक स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार सरकार का खजाना खाली हो गया है और कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं। पेंशन भुगतान को लेकर भी उन्होंने सरकार पर सवाल खड़े किए।

तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार के कामकाज को लेकर भी बड़ा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार की सरकार बिहार से नहीं चल रही है, बल्कि दिल्ली से चल रही है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में सरकार अपने स्तर पर फैसले लेने में सक्षम नहीं है। तेजस्वी ने कहा कि वह पहले भी कह चुके हैं कि जब भी भाजपा का कोई मुख्यमंत्री बनेगा, वह 'सिलेक्टेड मुख्यमंत्री' होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को निशाने पर लेते हुए उन्हें 'रबर स्टांप मुख्यमंत्री' बताया।

संक्षिप्त समाचार

10 अगस्त का 'मोतिहारी चलो' अभियान होगा ऐतिहासिक : इम्तेयाज

DYFI ने नौजवानों, छात्रों, मजदूरों व किसानों से बड़ी संख्या में मोतिहारी पहुंचने की अपील की

बीएनएम@ मोतिहारी। भारत की जनवादी नौजवान सभा (DYFI) ने 10 अगस्त को प्रस्तावित 'कानून तोड़ो–जेल भरो, मोतिहारी चलो' अभियान को सफल बनाने के लिए तैयारी तेज कर दी है। DYFI के राज्य कमेटी सदस्य इम्तेयाज अहमद ने जिले के नौजवानों, छात्रों, मजदूरों, किसानों और आम नागरिकों से बड़ी संख्या में मोतिहारी पहुंचने की अपील की है। इम्तेयाज अहमद ने कहा कि रोजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा आम जनता से जुड़े प्रमुख मुद्दे हैं। बेरोजगारी के कारण युवाओं के सामने भविष्य को लेकर गंभीर चुनौतियां हैं, जबकि महंगाई से आम परिवारों के घरेलू बजट पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनता के बुनियादी सवालों और अधिकारों को लेकर आवाज उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अहम हिस्सा है। आम लोगों की समस्याओं की अनदेखी होने पर लोकतांत्रिक और संगठित आंदोलनों के माध्यम से जनमुद्दों को मजबूती से उठाना जरूरी है। DYFI नेता ने बताया कि 10 अगस्त के कार्यक्रम को लेकर जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों में संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं की ओर से युवाओं समेत समाज के अन्य वर्गों को अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। संगठन का दावा है कि कार्यक्रम में जिले से बड़ी संख्या में लोग मोतिहारी पहुंचेंगे। इम्तेयाज अहमद ने कहा कि नौजवानों को अपने भविष्य और अधिकारों के सवाल पर एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लोकतांत्रिक आवाज को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने जिले के नौजवानों, छात्रों, मजदूरों, किसानों और आम नागरिकों से 10 अगस्त को मोतिहारी पहुंचकर अभियान को सफल बनाने की अपील की।

बाइक चोरी गिरोह का खुलासा, चोरी की पल्सर के साथ तीन गिरफ्तार

बीएनएम@ समस्तीपुरः मोहिउद्दीननगर थाना पुलिस ने बाइक चोरी के मामले का उद्भेदन करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर चोरी की पल्सर बाइक के साथ अपाचे बाइक के स्पेयर पार्ट्स भी बरामद किए गए हैं। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और चोरी की अन्य बाइकों का पता लगाने में जुटी है। शनिवार को मामले की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि हरेल गांव निवासी रौशन कुमार, पिता सतीश महतो की पल्सर 160 सीसी बाइक चोरी हो गई थी। पुलिस ने मोहनपुर थाना क्षेत्र के बरेठा गांव निवासी राजीव कुमार, पिता शंभू राय को मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के मड़वा बांध के समीप चोरी की पल्सर बाइक के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान बाइक की चोरी एवं खरीद-बिक्री से जुड़े मामले में राजीव की निशानदेही पर मोहनपुर थाना क्षेत्र के दशहरा गांव में मोटरसाइकिल गैरेज चलाने वाले मोहम्मद सोनू, पिता मोहम्मद जहांगीर को गिरफ्तार किया गया। वहीं, चोरी की बाइक के पार्ट्स खरीदने के आरोप में मोहिउद्दीननगर थाना चौक स्थित कबाड़ी दुकान संचालक प्रमोद पोद्दार, पिता योगेश्वर पोद्दार को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया।

पटना के हीरा इंक्लेव के बेसमेंट में मिला लापता युवक का शव

बीएनएम@ पटना। गांधी मैदान थाना क्षेत्र स्थित हीरा इंक्लेव के बेसमेंट में शनिवार को कचड़े के ढेर के बीच एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शव संदिग्ध अवस्था में मिलने के बाद स्थानीय दुकानदारों ने तत्काल डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान स्थानीय लोगों ने कमला नेहरू नगर निवासी सोनू उर्फ शुक्ला के रूप में की है। जानकारी के मुताबिक, सोनू पिछले करीब चार दिनों से लापता था। उसके परिजनों की ओर से 3 अगस्त को कोतवाली थाने में गुमशुदगी का आवेदन भी दिया गया था। इसके बाद से ही उसकी तलाश की जा रही थी। अब हीरा इंक्लेव के बेसमेंट से उसका शव मिलने के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूरे इलाके की घेराबंदी की। शव जिस परिस्थिति में मिला है, उसे देखते हुए पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी सूचना दी है। टीम के मौके पर पहुंचने के बाद घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए जाएंगे। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई। क्या उसकी हत्या की गई या किसी अन्य वजह से उसकी मौत हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगा।

सफाईकर्मियों को बांटे गए रेनकोट और साड़ियां

मेयर ने बांटे रेनकोट और महिला सफ़ाईकर्मियों को साड़ी

बीएनएम@ गयाजी। शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने वाले नगर निगम के सफाईकर्मियों को शनिवार की सुबह गया नगर निगम की ओर से उपयोगी सामग्री भेंट की गई। स्टेशन स्थित नगर निगम के स्टोर परिसर में मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान एवं नगर आयुक्त डॉ. गगन ने संयुक्त रूप से सफाईकर्मियों के बीच रेनकोट का वितरण किया, जबकि महिला सफाईकर्मियों को विशेष रूप से साड़ियां भेंट की गईं। बारिश के मौसम में काम के दौरान सफाईकर्मियों को होने वाली परेशानियों को गंभीरता से देखते हुए नगर निगम की ओर से यह सराहनीय पहल की गई है, जहाँ सुबह के समय दोनों प्रमुख अधिकारियों ने स्वयं पहुंचकर कर्मियों को यह सामग्री प्रदान की।इस अवसर पर मेयर गणेश पासवान ने कहा कि सफाईकर्मी वास्तव में नगर निगम की रीढ़ हैं और शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने में उनका योगदान अतुलनीय है। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और बारिश के बावजूद येकर्मी अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। उन्होंने कहा कि इनकी सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वहीं, नगर आयुक्त डॉ. गगन ने भी सभी कर्मियों को बरसात के मौसम में पूरी सावधानी के साथ कार्य करने और शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने की अपील की।

साईकिल रेस में रफ्तार, मंच पर थिरके कदम, युवा चम्पारण महोत्सव में दिखा उत्साह

बीएनएम@ मोतिहारी

युवा चम्पारण महोत्सव 2026 के दूसरे दिन खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में युवाओं का उत्साह चरम पर रहा। सुबह साइकिल रेसिंग से शुरू हुआ कार्यक्रम शाम तक गीत-संगीत और नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियों से गुलजार रहा। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे सैकड़ों प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दूसरे दिन की शुरुआत सुबह पांच बजे साइकिल रेसिंग और स्लो साइकिल रेसिंग प्रतियोगिता से हुई। तेज साइकिल रेस में प्रतिभागियों ने रफ्तार और फिटनेस का प्रदर्शन किया, जबकि स्लो साइकिल रेस में संतुलन और नियंत्रण की परीक्षा हुई। प्रतियोगिता के दौरान दर्शकों ने तालियां बजाकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। साइकिल रेसिंग में मनोरंजन पटेल प्रथम, रविरंजन कुमार द्वितीय और विनय सागर तृतीय रहे। वहीं स्लो साइकिल रेसिंग में अभिनव कुमार (आर्या विद्यापीठ स्कूल) प्रथम, अवनीश कुमार (आर्या विद्यापीठ स्कूल) द्वितीय और गौतम कुमार (सेमरॉक इंटरनेशनल स्कूल) तृतीय स्थान पर रहे। सुबह नौ बजे से प्रतिभागियों के प्रवेश और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की गई। महिला और पुरुष प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग प्रवेश व्यवस्था की गई थी। इसके बाद सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक सॉन्ग एवं डांस प्रतियोगिता आयोजित हुई। देशभक्ति गीत, लोकगीत, बॉलीवुड गीत, समूह नृत्य और एकल प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। युवा चम्पारण महोत्सव समिति के अध्यक्ष आकर्ष कुमार तिवारी ने कहा कि महोत्सव चम्पारण की युवा प्रतिभाओं को मंच देने का प्रयास है। खेल युवाओं में अनुशासन और आत्मविश्वास पैदा करते हैं, जबकि संगीत और नृत्य उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। प्रधान सचिव अमिता निधि ने कहा कि प्रतियोगिताओं को पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से कराया गया। प्रतिभागियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई। कोषाध्यक्ष सह संयोजक अभिषेक सिंह सूर्या ने कहा कि महोत्सव युवाओं को अपनी प्रतिभा पहचानने और आगे बढ़ने का अवसर दे रहा है। उपाध्यक्ष अंकित कुमार सिंह ने कहा कि चम्पारण की प्रतिभाओं को बेहतर अवसर मिलने पर वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकती हैं। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा, चिकित्सा, मंच संचालन, मीडिया कवरेज और स्वयंसेवकों की टीमें सक्रिय रहीं। प्रतिभागियों और दर्शकों की सुविधा के लिए आयोजन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। समिति के अनुसार समापन समारोह में बिहार सरकार की खेल मंत्री सह उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, गोविंदगंज विधायक राजू तिवारी, नरकटिया विधायक विशाल कुमार, सुगौली विधायक रामाश्रय सिंह उर्फ बबलू गुप्ता तथा सकरा विधायक अभिषेक कुमार समेत कई जनप्रतिनिधियों और विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने की संभावना है। समिति ने बताया कि पहले दिन प्रधान सचिव अमिता निधि ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ का शुभारंभ किया था। दूसरे दिन खेल मैदान से लेकर सांस्कृतिक मंच तक युवाओं के जोश ने आयोजन को खास बना दिया। अब समापन समारोह को लेकर प्रतिभागियों और दर्शकों में उत्साह और बढ़ गया है।

अठमुहान में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सिटारा योजना के लाभ, अधिकारों और निःशुल्क विधिक सहायता की दी गई जानकारी

बीएनएम@ घोड़ासहन

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के तत्वावधान में शनिवार को घोड़ासहन प्रखंड के अठमुहान में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए संचालित "सिटारा योजना" को लेकर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं और विधिक संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों को सिटारा योजना के तहत मिलने वाले लाभों के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। पारा विधिक स्वयंसेवक (PLV) नवीन कुमार एवं पैनल अधिवक्ता ने ट्रांसजेंडर समुदाय के संवैधानिक अधिकारों, समानता के प्रावधानों तथा विधिक सहायता की उपलब्धता के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर समाजसेवी मनीष कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने सामाजिक समावेशिता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से बताया गया कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को किसी भी प्रकार की विधिक समस्या होने पर निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके लिए वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में समाज में समावेशिता, समानता और समान अधिकारों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। साथ ही उपस्थित लोगों से ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की गई।

रामगढ़वा में ब्रह्माकुमारीज की झांकी से गूंजा नशामुक्त भारत का संदेश

8 से 10 अगस्त तक प्रकाश मैरिज हॉल में निःशुल्क राजयोग प्रशिक्षण शिविर, विधायक बबलू गुप्ता भी हुए शामिल

बीएनएम@ रामगढ़वा

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, राजयोग सेवा केंद्र रामगढ़वा के तत्वावधान में शुक्रवार को नशामुक्त भारत एवं तनावमुक्त जीवन का संदेश देने के उद्देश्य से भव्य झांकी निकाली गई। झांकी में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। शिवलिंग एवं लक्ष्मी-नारायण की सजीव झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। पोखरबिंदा सेवा केंद्र की बीके मनीषा ने उपस्थित लोगों को नशामुक्त भारत बनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उनके आह्वान पर युवाओं समेत विभिन्न वर्गों के लोगों ने नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन जीने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्वी चंपारण प्रभारी बीके पूनम बहन एवं रामगढ़वा सेवा केंद्र प्रभारी बीके रागिनी ने कहा कि वर्तमान तनावपूर्ण जीवन में मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए राजयोग का अभ्यास जरूरी है। राजयोग के माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों को सकारात्मक दिशा देकर तनावमुक्त जीवन जी सकता है। मीडिया प्रभारी बीके श्याम भाई ने बताया कि क्षेत्रवासियों के लिए 8 से 10 अगस्त तक प्रकाश मैरिज हॉल, कोढ़ी रोड, रामगढ़वा में तीन दिवसीय निःशुल्क राजयोग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में प्रतिदिन तीन सत्र होंगे। कार्यक्रम में सुगौली विधायक बबलू गुप्ता, सोनू कुमार, मुरली मनोहर प्रसाद, रवि यादव, ब्रजराज पाण्डेय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर राजयोग प्रशिक्षण का लाभ उठाने की अपील की है।

1.65 करोड़ का अस्पताल, फिर भी इलाज को तरसते मरीज; जिहुली एपीएचसी में लटका मिला ताला

डॉक्टर की अनुपस्थिति पर उठे सवाल, शनिवार दोपहर दवा लेने पहुंचे मरीज लौटे मायूस; चिकित्सा पदाधिकारी बोले- 'कब डॉक्टर आएंगे, सरकार जाने'

बीएनएम@ अभिराम कुमार

पताही। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर अस्पतालों की इमारतें खड़ी कर रही है, लेकिन जब मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं तो उन्हें डॉक्टर तक नहीं मिलते। पताही प्रखंड के जिहुली पंचायत स्थित अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (एपीएचसी) की तस्वीर सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था के इसी विरोधाभास को सामने लाती है। करीब 1.65 करोड़ रुपये की लागत से बने इस स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार दोपहर मरीज इलाज और दवा के लिए पहुंचे, लेकिन अस्पताल के मुख्य गेट पर ताला लटका मिला। डॉक्टर के इंतजार में पहुंचे मरीजों को आखिरकार निराश होकर लौटना पड़ा।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिहुली एपीएचसी में लंबे समय से डॉक्टर की नियमित उपस्थिति नहीं होने के कारण अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हैं। सीएचओ, जीएनएम और एएनएम के भरोसे चल रहे केंद्र में इलाज कराने आने वाले कई मरीजों को यह तक पता नहीं होता कि यहां पदस्थापित डॉक्टर कौन हैं और वे किस दिन अस्पताल में उपलब्ध होंगे। ग्रामीणों का दावा है कि डॉक्टर की अनुपस्थिति की समस्या कोई एक दिन की नहीं, बल्कि लंबे समय से बनी हुई है।

शनिवार को जिहुली पंचायत के पंचायत समिति सदस्य पद्माक्षी रंजन के अनुसार, वह दोपहर करीब 12:46 बजे दवा लेने जिहुली अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे थे। वहां अस्पताल के गेट पर ताला लटका हुआ था। उन्होंने कहा कि जिहुली के अलावा देवपुर, गोनाही, पदूमकेर समेत आसपास के कई पंचायतों से मरीज यहां इलाज कराने पहुंचते हैं। डॉक्टर नहीं मिलने पर उन्हें निजी क्लीनिकों का रुख करना पड़ता है, जहां इलाज के लिए उन्हें अपनी जेब से अधिक पैसे खर्च करने पड़ते हैं।

पंचायत समिति सदस्य ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि डॉक्टरों को समाज में 'धरती का भगवान' माना जाता है, लेकिन अस्पताल में डॉक्टर की अनुपस्थिति मरीजों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन रही है। उनका आरोप है कि अस्पताल में पदस्थापित रहे डॉक्टर अब पताही के चिकित्सा पदाधिकारी हैं। बावजूद इसके जिहुली एपीएचसी में डॉक्टर की नियमित व्यवस्था नहीं हो सकी है।

ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च कर अस्पताल का भवन तो बना दिया गया, लेकिन यदि वहां नियमित डॉक्टर और जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी तो यह भवन मरीजों के किस काम आएगा। दूरदराज के गांवों से इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले मरीजों को डॉक्टर नहीं मिलने पर निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है।

इस मामले में पंचायत समिति सदस्य ने मोतिहारी के सिविल सर्जन से अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार कराने तथा डॉक्टर एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की अनुपस्थिति की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के इस अस्पताल की स्थिति की जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को स्वयं जांच करनी चाहिए, ताकि मरीजों की वास्तविक परेशानी सामने आ सके।

'कब डॉक्टर आएंगे, सरकार जाने'- जिहुली एपीएचसी में डॉक्टर की अनुपस्थिति और भविष्य में डॉक्टर की पदस्थापना को लेकर जब पताही चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुधांशु रंजन से जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा कि वह पहले जिहुली में पदस्थापित थे, लेकिन अब वहां कोई डॉक्टर पदस्थापित नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि एपीएचसी में डॉक्टर की पदस्थापना कब तक होगी, तो उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। डॉक्टर की तैनाती दो महीने में भी हो सकती है और कभी भी नहीं हो सकती—यह सरकार जाने।

अब सवाल यह है कि करोड़ों रुपये की लागत से तैयार सरकारी अस्पताल का लाभ ग्रामीणों को कब मिलेगा? यदि अस्पताल में डॉक्टर ही उपलब्ध नहीं होंगे तो दूरदराज के मरीज सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर भरोसा कैसे करेंगे?

टीबी मुक्त भारत अभियानः 150 मरीजों को बांटी गई पोषण आहार किट

» डीएम बोले- युवा आगे आएं, टीबी मरीजों को गोद लेकर बनें निक्षय मित्र

बीएनएम@ मोतिहारी

टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के उद्देश्य से शनिवार को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, मोतिहारी परिसर में 150 टीबी मरीजों के बीच पोषण आहार किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी सह रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष सौरभ सुमन यादव ने की। इस मौके पर डीएम श्री यादव ने कहा कि टीबी मरीजों को उपचार के साथ पौष्टिक आहार की भी जरूरत होती है। आर्थिक रूप से कमजोर कई मरीज संतुलित भोजन नहीं मिलने के कारण पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो पाते हैं। उन्होंने समाजसेवी संगठनों और विशेषकर युवाओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक टीबी मरीजों को गोद लेकर 'निक्षय मित्र' बनें और उन्हें नियमित पोषण संबंधी सहयोग उपलब्ध कराएं।जिलाधिकारी ने टीबी मरीजों के लिए रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से किए जा रहे प्रयास की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे भी संस्था इसी तरह मरीजों की मदद करती रहेगी। कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसाइटी के कार्यकारी अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार भारती, कार्यकारी सदस्य सह सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. संजीव तथा आईएमए अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शरण ने भी मरीजों के बीच पोषण पोटली का वितरण किया। इस दौरान कौशल कुमार दुबे अस्पताल प्रबंधन ने पांच टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण पोटली उपलब्ध कराई। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. एसएन सत्यार्थी ने भी पांच टीबी मरीजों को गोद लिया। वहीं युवा उद्योगपति विशाल जायसवाल ने 25 टीबी मरीजों को गोद लेने की सहमति दी। टाटा मोटर्स के अमित जायसवाल और अभिषेक लोहिया ने भी टीबी मरीजों को गोद लेकर पोषण संबंधी सहयोग देने पर सहमति जताई।आईएमए अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शरण ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 150 मरीजों को फूड बास्केट उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि आगे भी रेड क्रॉस और अन्य सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सैकड़ों टीबी मरीजों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है। पोषण सहायता मरीजों के स्वास्थ्य और उपचार प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष सह वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार, जिला जनसंपर्क अधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डॉ. राकेश कुमार, डीसीएम नंदन झा, डीपीसी भारत भूषण, रेड क्रॉस के रूपक कुमार, रंजीत श्रीवास्तव और आमोद कुमार सहित अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षाविद कौशल किशोर सिंह ने किया।

वीटीआर के वन प्रमंडल दो के गोनौली वन क्षेत्र में भालू देख दहशत

बीएनएम@ बगहा

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के वन प्रमंडल-दो के गनौली वन क्षेत्र अंतर्गत बलुआ छत्रौल पंचायत के मोहना गांव के पास भालू दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। भालू के गांव के समीप आने की सूचना मिलते ही लोगों ने इसकी जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों और वन विभाग को दी। बलुआ छत्रौल पंचायत के मुखिया हरेंद्र काजी ने तत्काल गनौली वन क्षेत्र के अधिकारियों को सूचना देकर भालू का रेस्क्यू कराने तथा ग्रामीणों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने भालू के पगमार्क के आधार पर खोजबीन शुरू की। तलाश के दौरान भालू का लोकेशन एक गन्ने के खेत में मिला। इसके बाद वन विभाग ने आसपास के लोगों को गन्ने के खेत के पास नहीं जाने की सलाह दी और क्षेत्र की निगरानी शुरू कर दी। ग्रामीणों के सहयोग से वनकर्मियों ने लगातार भालू पर नजर बनाए रखी। देर रात वन विभाग की टीम ने सुरक्षित तरीके से भालू को जंगल की दिशा में वापस खदेड़ दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

संक्षिप्त समाचार

बायोटेक्नोलॉजी विभाग का "फूड एंड बेवरेज में मित्र सूक्ष्मजीव" पर पोस्टर प्रेजेंटेशन

बीएनएम@ गयाजी। गया कॉलेज, के बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा "फ्रेंडली माइक्रोब्स इन फूड एंड बेवरेज" (खाद्य एवं पेय पदार्थों में मित्र सूक्ष्मजीव) विषय पर विशेष पोस्टर प्रेजेंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भोजन निर्माण, संरक्षण एवं मानव स्वास्थ्य में सूक्ष्मजीवों की सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना था।कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सतीश सिंह चंद्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बायोटेक्नोलॉजी के आधुनिक महत्व पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन, खाद्य प्रसंस्करण, उद्योग एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सूक्ष्मजीवों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों को नवीनतम शोध एवं वैज्ञानिक गतिविधियों से निरंतर जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना कुमारी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में विभाग के डॉ. मुरलीधर मिश्रा, डॉ. शकील अहमद, डॉ. नूतन चौरसिया, प्रियंका कुमारी एवं डॉ. अक्षिता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पोस्टर प्रेजेंटेशन के दौरान स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों ने फर्मेंटेशन, प्रोबायोटिक्स, गट हेल्थ एवं खाद्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने शोध-आधारित पोस्टर प्रस्तुत किए। इस मौके पर विभागाध्यक्ष ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक एवं शोधपरक कार्यक्रम विद्यार्थियों में व्यावहारिक ज्ञान, वैज्ञानिक सोच और शोध के प्रति रुचि विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तीन मृत श्रमिकों के आश्रितों को मिलेगी 2-2 लाख की सहायता

प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान

बीएनएम@ गयाजी। डीएम शशांक शुभंकर के अनुमोदन के पश्चात बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना-2008 के तहत जिले के तीन मृत प्रवासी श्रमिकों के निकटतम आश्रितों को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की स्वीकृति दी गई है।इनमें वजीरगंज प्रखंड के केवला निवासी स्वर्गीय राजेश कुमार की झारखंड में सड़क हादसे में मृत्यु होने पर उनकी पत्नी अनीता देवी को, अतरी प्रखंड के टेटुआ टाड़ निवासी स्वर्गीय राकेश कुमार की सड़क दुर्घटना में मौत पर उनकी माता देवमंती देवी को, तथा बोधगया प्रखंड के नरकटिया निवासी स्वर्गीय कुंदन कुमार की तमिलनाडु में फैक्ट्री में कार्य के दौरान मौत होने पर उनकी पत्नी काजल कुमारी को यह अनुदान स्वीकृत किया गया है। इन सभी मामलों की जांच श्रम अधीक्षक (पुनर्वास-सह-योजना) द्वारा की गई तथा संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों की अनुशंसा पर दावों को सही पाए जाने के बाद जिला पदाधिकारी द्वारा यह स्वीकृति प्रदान की गई है। श्रम विभाग द्वारा प्रवासी श्रमिकों के आश्रित परिवारों को नियमानुसार सरकारी योजनाओं का लाभ और त्वरित सहायता देने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

स्वच्छ और व्यवस्थित कार्यालय ही उन्नत कार्यसंस्कृति की पहचान - डीएम

डीएम ने दिए निर्देश, आज सभी कार्यालयों में चलेगा अभियान

बीएनएम@ जमुई। सरकारी कार्यालय केवल फाइलों के निपटारे की जगह नहीं, बल्कि आम लोगों के लिए शासन का वास्तविक चेहरा होते हैं। इसी सोच के साथ जिला पदाधिकारी श्री नवीन की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय सभाकक्ष में सभी विभागों के कार्यालय प्रधानों की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यालयों में स्वच्छता, सुरक्षा, आधुनिकीकरण और प्रशासनिक अनुशासन को लेकर कड़े निर्देश दिए गए। जिला पदाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ और व्यवस्थित कार्यालय ही उन्नत कार्यसंस्कृति की पहचान है। अधिकारी और कर्मचारी अपना अधिकांश समय कार्यालय में बिताते हैं, इसलिए इसे अपने दूसरे घर की तरह साफ-सुथरा रखना चाहिए ताकि कार्यक्षमता बढ़ने के साथ आम जनता का प्रशासन पर भरोसा मजबूत हो। बैठक में परिसरों, पेयजल स्थलों और शौचालयों की नियमित सफाई करने, महिला कर्मियों के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था, जर्जर दीवारों की मरम्मत, रंग-रोगन, मुख्य द्वार पर नया नेम बोर्ड और कर्मियों की टेबल पर नामपट्ट लगाने के निर्देश दिए गए। प्रशासनिक अनुशासन के लिए शत-प्रतिशत बायोमेट्रिक उपस्थिति लागू करने, सीसीटीवी कैमरे लगवाने, जर्जर फर्नीचर हटाने और खुले तारों को दुरुस्त करने को कहा गया। साथ ही, आगामी 9 अगस्त को सभी कार्यालय प्रधान कर्मचारियों के साथ मिलकर स्वयं विशेष स्वच्छता अभियान चलाएंगे और निर्देशों की अनदेखी करने पर कड़ी विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

इनर व्हील क्लब ने पटवासराय में मनाया विश्व स्तनपान सप्ताह

महिलाओं और बच्चियों को दी गई स्वास्थ्य व पर्यावरण की जानकारी

बीएनएम@ नवादा: इनर व्हील क्लब की महिलाओं द्वारा पटवासराय के सामुदायिक भवन में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब की प्रेसिडेंट रेखा रानी ने बताया कि 1 से 7 जुलाई तक मनाए जाने वाले इस सप्ताह के तहत हर मां को शुरुआती 6 महीने तक बच्चे को सिर्फ अपना दूध पिलाना चाहिए, क्योंकि मां का पहला पीला दूध वैक्सीन की तरह काम कर बच्चों को जानलेवा बीमारियों से बचाता है। कार्यक्रम के दौरान पॉलीथिन का उपयोग न करने की अपील करते हुए महिलाओं के बीच थैला, बिस्कुट और हॉर्लिक्स का वितरण किया गया।इसके पश्चात क्लब की महिलाओं ने उत्क्रमित उच्च प्राथमिक विद्यालय पहुंचकर बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर के लक्षण, बचाव और वैक्सीनेशन के बारे में सेक्रेटरी पुष्पा कुमारी द्वारा जानकारी दी।

पुनौराधाम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विशेष पूजा-अर्चना कर किया एलान

31 दिसंबर 2028 तक पुनौराधाम में भव्य मंदिर निर्माण होगा

» 14 करोड़ 88 लाख रुपये की एक योजना का शिलान्यास

बीएनएम@ सीतामढ़ी

203 करोड़ 2 लाख रुपये की 82 योजनाओं का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार को केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के साथ मां जानकी की प्राकट्य स्थली पुनौराधाम पहुंचे। दोपहर करीब 12:20 बजे मुख्यमंत्री के पहुंचने पर राघोपुर बखरी में बनाए गए हेलीपैड पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी गई। स्थानीय नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर राज्य की उद्योग एवं खेल तथा सीतामढ़ी जिले की प्रभारी मंत्री श्रेयसी सिंह, डेयरी एवं मत्स्य मंत्री नंदकिशोर राम, सांसद देवेश चंद्र ठाकुर, सीतामढ़ी विधायक सुनील कुमार पिंटू तथा विधानसभा में सत्तारूढ़ दल की सचेतक सह परिहार विधायक गायत्री देवी समेत जिले के कई विधायक एवं विधान पार्षद मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक पुनौराधाम में माता सीता, भगवान श्रीराम एवं लक्ष्मण की प्रतिमाओं को गर्भगृह से अस्थायी काष्ठ मंडप में शिफ्ट करने के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने विशेष पूजा-अर्चना एवं आरती की। पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने भगवान सियावर रामचंद्र का जयकारा लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 31 दिसंबर 2028 तक पुनौराधाम में भव्य और दिव्य मंदिर निर्माण पूरा करने का संकल्प लिया है। निर्धारित समय सीमा के भीतर मंदिर निर्माण पूरा कर सीताराम काष्ठ मंडपम में रखी गई माता सीता, भगवान श्रीराम एवं लक्ष्मण की प्रतिमाओं को नए गर्भगृह में उसी स्थान पर पूर्ण गरिमा के साथ पुनर्प्रतिष्ठित किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री राघोपुर बखरी पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल का जायजा लिया। उन्होंने विभागीय योजनाओं की जानकारी ली और लाभुकों से भी संवाद किया। मुख्यमंत्री ने जिले में 203 करोड़ 2 लाख रुपये की 82 योजनाओं का उद्घाटन तथा 14 करोड़ 88 लाख रुपये की एक योजना का शिलान्यास किया। इस प्रकार कुल 218 करोड़ रुपये की 83 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया।राघोपुर बखरी में मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित हैचरियों में अंडा एवं बीज उत्पादन की प्रक्रिया तथा ब्रूड बैंक के तालाबों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लाभुकों के बीच ऑक्सीजेनेटेड बैग के साथ स्पॉन का वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, मंत्री श्रेयसी सिंह, मंत्री केदार गुप्ता, सांसद देवेश चंद्र ठाकुर, विधायक सुनील कुमार पिंटू, विधायक पंकज मिश्रा, पुनौराधाम जानकी मंदिर के महंत कौशल किशोर दास सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित र

भाकपा ने मझौलिया में दो जत्थों ने गांव-गांव किया जनसंपर्क

बीएनएम@ बेतिया, मझौलिया

राष्ट्रव्यापी आह्वान पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की ओर से पश्चिम चंपारण में चलाए जा रहे पदयात्रा अभियान के तीसरे दिन शनिवार को मझौलिया प्रखंड में दो अलग-अलग जत्थों ने गांव-गांव पहुंचकर जनसंपर्क किया। एक जत्था पूर्वी चंपारण सीमा के श्रीपुर से, जबकि दूसरा चनपटिया प्रखंड की सीमा मोहच्छी बनकटवा से रवाना हुआ। श्रीपुर से निकले जत्थे का नेतृत्व जिला नेता बब्लू दूबे, अशोक मिश्र और अंचल सचिव कृष्ण नंदन सिंह ने किया। वहीं, मोहच्छी बनकटवा जत्थे का नेतृत्व जिला नेता राधामोहन यादव, नौजवान नेता तारीक, सुबोध मुखिया, सचिव अतुल तिवारी और मोहन यादव ने किया। दोनों जत्थों ने श्रीपुर, माधोपुर, सेनवरिया, बखरिया, जौकटिया, नानोसती, मझौलिया, खोढ़वा, पाटबंदी, मोहच्छी, भरवलिया, सरिसवा और पकड़ी समेत विभिन्न इलाकों में जनसंपर्क किया। भाकपा का अभियान छह से 15 अगस्त तक चलेगा।

बकुलहर मठ के पर्चाधारियों ने गोपालपुर थाना घेरा

10 अगस्त को समाहरणालय घेराव की चेतावनी

बीएनएम@ बेतिया

बकुलहर मठ के पर्चाधारियों ने शनिवार को चनपटिया अंचल के गोपालपुर थाना का घेराव कर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। इस दौरान पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने थानाध्यक्ष से मुलाकात कर पर्चा वाली जमीन को मठ से जुड़े लोगों द्वारा कथित रूप से जबरन जोतने पर रोक लगाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने सभी पर्चाधारियों को जमीन पर कब्जा दिलाने, यथास्थिति बनाए रखने तथा इसके विरुद्ध कार्य करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की मांग रखी। पर्चाधारियों ने कहा कि जब तक जिला प्रशासन की ओर से उन्हें जमीन पर कब्जा नहीं दिलाया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। थाना घेराव के बाद छरदवाली चौक पर सभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए बिहार राज्य किसान सभा के उपाध्यक्ष प्रभुराज नारायण राव ने कहा कि आगामी 10 अगस्त को पश्चिम चंपारण समाहरणालय, बेतिया का घेराव किया जाएगा। सभा को चांदसी प्रसाद यादव, प्रकाश कुमार वर्मा, मोहम्मद हनीफ, प्रभुनाथ गुप्ता, शंकर कुमार राव सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

बिजली समस्याओं के स्थायी समाधान को लेकर हुई बैठक

» ट्रिपिंग एवं लो-वोल्टेज की समस्या होगी दूर
» विशेष पावर ट्रांसफॉर्मर का कार्य अंतिम चरण में

बीएनएम@ गयाजी

गुरारू प्रखंड अंतर्गत बियाडा (BIADA) औद्योगिक परिसर में उद्योगों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने तथा विद्युत संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं स्थायी समाधान को लेकर विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, गया (ग्रामीण) के विद्युत कार्यपालक अभियंता ई. विनोद कुमार के साथ विस्तृत बैठक आयोजित की गई। बैठक में बियाडा परिसर के उद्योगपतियों एवं प्रतिनिधियों ने विद्युत आपूर्ति से संबंधित विभिन्न समस्याओं को रखा। विशेष रूप से बार-बार ट्रिपिंग, कम वोल्टेज तथा वोल्टेज में उतार-चढ़ाव की समस्या पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि बियाडा स्पेशल के लिए नया पावर ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया जा रहा है, जिसका कार्य अंतिम चरण में है। इसके स्थापित होने के बाद औद्योगिक इकाइयों को अधिक स्थिर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी तथा बार-बार ट्रिपिंग की समस्या में कमी आएगी। वहीं, बियाडा परिसर में कम वोल्टेज एवं वोल्टेज फ्लक्चुएशन की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक तकनीकी कार्य किए जा रहे हैं। उद्योगपतियों की मांग पर बियाडा परिसर के अंदर अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर स्थापित करने का कार्य भी प्रगति पर है, जिसे शीघ्र पूरा कर चालू किया जाएगा। विद्युत कार्यपालक अभियंता ई. विनोद कुमार ने कहा कि विद्युत विभाग बियाडा औद्योगिक क्षेत्र में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

"विकसित भारत के लिए 125 दिन ग्रामीण रोजगार की नई गारंटी" विषय पर पंच सम्मेलन

बीएनएम@ गयाजी

शहर के हरिदास सेमिनरी परिसर स्थित प्रेक्षागृह सह आर्ट गैलरी में जिला परिषद अध्यक्ष नयना कुमारी की अध्यक्षता में "विकसित भारत के लिए 125 दिन ग्रामीण रोजगार की नई गारंटी" विषय पर एक दिवसीय पंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नयना कुमारी, निदेशक एनईपी डीपीओ द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में नई ग्रामीण रोजगार गारंटी व्यवस्था से संबंधित एक वीडियो का प्रदर्शन किया गया, जिसके उपरांत विषय पर विस्तृत परिचर्चा आयोजित हुई। इस मौके पर में जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समय-समय पर अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। वर्ष 2005 में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू होने के साथ ही ग्रामीण परिवारों को पहली बार रोजगार प्राप्त करने का कानूनी अधिकार मिला। उन्होंने कहा कि बीते लगभग 20 वर्षों में मनरेगा ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन तथा आधारभूत संरचना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान गांव लौटे प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने एवं उनकी आजीविका को संबल प्रदान करने में यह योजना अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई। डायरेक्टर एनईपी ने कहा कि ग्रामीण रोजगार योजना का उद्देश्य एक ओर ग्रामीण परिवारों को सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि करना है, वहीं दूसरी ओर उनके श्रम के माध्यम से जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, सिंचाई सुविधाओं का विकास, तालाब एवं पोखरों का जीर्णोद्धार, पौधारोपण, खेल मैदान, विद्यालयों की आधारभूत संरचनाओं सहित टिकाऊ एवं जनोपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था के अंतर्गत सरकारी विद्यालयों में चारदीवारी, छात्र एवं छात्राओं के लिए पृथक शौचालय, रसोई शेड, अतिरिक्त कक्षों की मरम्मत एवं अनुरक्षण, ग्रामीण हाट-बाजार का विकास, पंचायत स्तर पर जल निकासी व्यवस्था, मुक्तिधाम, तालाब एवं पोखरों का विकास, पौधारोपण, जल संरक्षण तथा वर्षा जल संचयन जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रधानमंत्री गति शक्ति पोर्टल एवं जीआईएस आधारित योजना निर्माण के माध्यम से विकास कार्यों की बेहतर योजना बनाकर उनका पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। जिला परिषद अध्यक्ष ने सभी मुखिया, पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों से आह्वान किया कि योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार तक समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पहुंचाना सुनिश्चित करें। इस कार्यक्रम में सभी जिला परिषद सदस्य, सभी पंचायत समिति सदस्य एवं सभी मुखिया उपस्थित थे।

गंडक पार के चिउरही पंचायत में बाढ़ से सैकड़ों घर प्रभावित

प्रशासनिक टीम के नहीं पहुंचने से पीड़ितों में आक्रोश

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड की चिउरही पंचायत में शुक्रवार को आई बाढ़ से करीब 300 घर घुसा बाढ़ की पानी। बाढ़ का पानी कम होने के बावजूद शनिवार की दोपहर बाद तक प्रखंड एवं अंचल प्रशासन की टीम के गांव में नहीं पहुंचने से बाढ़ पीड़ितों में आक्रोश व्याप्त है। हालांकि, शनिवार की सुबह से जलस्तर में कमी आने से लोगों ने थोड़ी राहत की सांस ली है। बाढ़ पीड़ित रामधारी चौधरी, मेहीलाल चौधरी, लालबाबू यादव, पलक राम, रविन्द्र यादव सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार को गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि के बाद अचानक बाढ़ का पानी पंचायत के कई हिस्सों में प्रवेश कर गया। देखते ही देखते करीब 300 घर बाढ़ के पानी में डूब गए। लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन शनिवार की दोपहर बाद तक प्रशासन की ओर से कोई टीम पीड़ितों का हाल जानने नहीं पहुंची। इस संबंध में मधुबनी अंचलाधिकारी (सीओ) नंदलाल राम ने बताया कि बाढ़ की रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेज दी गई है। अभी तक वरीय पदाधिकारी की ओर से किसी प्रकार का निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है।

आदर्श ग्राम योजना के क्रियान्वयन एवं प्रगति को ले समीक्षा बैठक

बीएनएम@ गयाजी

समाहरणालय सभागार में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम अजय) के अंतर्गत आदर्श ग्राम योजना के क्रियान्वयन एवं प्रगति की डीएम शशांक शुभंकर ने समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए डीएम ने कहा कि गया जिला अनुसूचित जाति एवं वंचित वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार की प्राथमिकता वाले जिलों में शामिल है। राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ इन क्षेत्रों के लोगों तक निरंतर पहुँचाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार भी अनुसूचित जाति बहुल गांवों के समग्र विकास के उद्देश्य से प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के माध्यम से विशेष पहल कर रही है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत गया जिले के सभी 24 प्रखंडों के कुल 735 अनुसूचित जाति बहुल गांवों का चयन किया गया है, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा। इन गांवों में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक पात्र परिवार को सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों की योजना तैयार की जाए। डीएम शुभंकर ने बताया कि प्रत्येक चयनित गांव के लिए 20 लाख की विशेष राशि केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई है। इस राशि का उपयोग गांव की वास्तविक आवश्यकताओं एवं स्थानीय लोगों से प्राप्त सुझावों के आधार पर ऐसे विकास कार्यों में किया जाएगा, जिनसे पूरे गांव को स्थायी एवं व्यापक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण पूर्ण होने के तुरंत बाद प्राप्त सुझावों एवं आवश्यकताओं का विश्लेषण कर विकास योजनाओं का चयन किया जाएगा।

महाविद्यालयों के प्रस्तावों पर निर्णय, ग्यारह का संबंधन अस्वीकृत

कृत्रिम बुद्धिमत्ता विभाग में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एवं बी.एससी. (एआई) पाठ्यक्रम की अनुशंसा

» कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी की अध्यक्षता में बैठक

बीएनएम@ गयाजी

मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी की अध्यक्षता में शनिवार को संबंधन एवं नव शिक्षण कार्यक्रम समिति की बैठक आयोजित किया गया। जिसमें शैक्षणिक सत्र 2026-30 हेतु उच्च शिक्षा विभाग, बिहार के पोर्टल पर अपलोड किए गए आवेदन प्रस्तावों के संबंध में निर्णय लिया गया। बैठक में सभी संकायों के अध्यक्ष, कुलसचिव प्रो. विनोद कुमार मंगलम् सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे। संबंधन हेतु प्राप्त कुल 43 प्रस्तावों में से 20 महाविद्यालयों के संबंध में निर्णय लिया गया। इनमें दो महाविद्यालयों को स्थायी संबंधन तथा एक महाविद्यालय को कला संकाय में स्थायी संबंधन एवं विज्ञान संकाय में नव संबंधन देने पर विचार किया गया। शेष महाविद्यालयों के नव संबंधन एवं संबंधन दीर्घीकरण के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। इसके साथ ही 11 महाविद्यालयों के संबंधन को अस्वीकृत किया गया, जबकि 11 महाविद्यालयों द्वारा निरीक्षण शुल्क की राशि जमा नहीं किए जाने के कारण उनके संबंधन पर विचार नहीं किया जा सका। एक महाविद्यालय के अनुरोध पर उनके महाविद्यालय का निरीक्षण नहीं किया गया। बैठक में 11 सम्बद्ध महाविद्यालयों को बी.सी.ए., बी.बी.एम., बी.एल.आई.एस., एल.एल.बी., एम.सी.ए. एवं एम.बी.ए. के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रमों के अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु स्वीकृति की अनुशंसा की गई। मगध विश्वविद्यालय के अंगीभूत महाविद्यालयों में संचालित स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तरीय परम्परागत विषयों एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु की गई अनुशंसा को भी अनुमोदित किया गया। उल्लेखनीय है कि मगध विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृत्रिम बुद्धिमत्ता विभाग के अन्तर्गत ए.आई. में प्रमाणपत्र एवं डिप्लोमा कोर्स तथा बी.एससी. के साथ-साथ एक वर्षीय एवं द्विवर्षीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता पाठ्यक्रमों के संचालन की अनुशंसा की गई। अंगीभूत महाविद्यालयों में एम.सी.ए., एम.बी.ए., बी.सी.ए., बी.बी.ए., बी.बी.एम., बायोटेक्नोलॉजी एवं बायोकेमिस्ट्री इत्यादि में स्वपोषित पाठ्यक्रम प्रारंभ करने हेतु अनुमोदन प्राप्त किया गया। मुख्यालय में भी एम.सी.ए., एम.बी.ए. एवं बायोटेक्नोलॉजी इत्यादि कई स्वपोषित पाठ्यक्रम प्रारंभ करने हेतु अनुमोदन प्राप्त किया गया।

चिंता का सबसे बड़ा पहलू

आज 81.8 प्रतिशत नया कर्ज पुराने ऋण पर ब्याज चुकाने के लिए लिया जा रहा है। 2021-22 में 50.9 फीसदी नया ऋण ही इस मकसद से लिया गया था। पांच साल में इसमें 31 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

केंद्र सरकार पर कुल कर्ज 2021-22 में 138.66 लाख करोड़ रुपये था, जो 2025-26 में 201.17 लाख करोड़ हो गया। यह आंकड़ा खुद केंद्र ने संसद में दिया है। इससे सामने आया चिंता का सबसे बड़ा पहलू नए कर्ज के इस्तेमाल से जुड़ा है। इसलिए कि ऋण का उपयोग मानव विकास, दीर्घकालिक संपत्ति के निर्माण, अथवा उत्पादक अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए हो, तो उससे ठोस विकास की जमीन मजबूत होती है। उससे निवेश एवं उपभोग दर बढ़ती है, जिससे टैक्स आधार विस्तृत होता है। उससे भविष्य में राजकोषीय सेहत सुधरने की गुंजाइश बनी रहती है। लेकिन कर्ज का इस्तेमाल पुराने के ऋण एवं ब्याज को चुकाने अथवा तात्कालिक उपभोग के लिए हो, तो उसका अर्थ होता है भावी पीढ़ियों के हितों की बलि चढ़ाना। आज स्थिति यह है कि 81.8 प्रतिशत नया कर्ज पुराने ऋण पर ब्याज चुकाने के लिए लिया जा रहा है। जाहिर है, इस स्थिति में विकास योजनाओं के लिए कम पैसा बचता है। 2021-22 में नए ऋण का 50.9 फीसदी हिस्सा पुरानी देनदारी चुकाने पर खर्च हो रहा था। पांच साल इसमें लगभग 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई है। सरकार का दावा है कि नया कर्ज मुख्य रूप से संपत्ति निर्माण के लिए लिया जा रहा है। इसकी मिसाल के तौर पर वह पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में हुई बढ़ोतरी का जिक्र करती है। ये रकम मुख्य रूप से हाईवे, एक्सप्रेस-वे, हवाई अड्डा आदि के निर्माण पर खर्च हुई बताई जाती है। लेकिन इसी दौर में शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान, आदि जैसे मदों में खर्च में भारी कटौती हुई है। यानी कैपेक्स बढ़ा है, तो मानव विकास तथा विज्ञान-तकनीक आदि मदों में खर्च घटा भी है। फिर निजीकरण, सरकारी संपत्तियों के विमुद्रीकरण, एवं काफी समय तक पेट्रोलियम पर उत्पाद शुल्क के जरिए सरकार को अतिरिक्त आय हुई। फिर भी अब भारत में प्रति व्यक्ति पर औसतन तकरीबन 1.36 लाख करोड़ रुपये का कर्ज हो गया है। तो इसे आर्थिक कुप्रबंधन अथवा भटकी हुई प्राथमिकताओं को महत्त्व देने के अलावा और क्या कहा जा सकता है? इस स्थिति का दबाव लगातार राजकोष और सकल अर्थव्यवस्था पर दिख रहा है।

मशीन फिर से अपने पुराने ढर्रे पर चलने लगती है

सतीश झा

बच्चा एक ऐसी थाली के सामने बैठा है, उसके सामने इंसानियत के पूरे ज्ञान का इतिहास एक ही बार में परोस दिया गया हो और कहा गया हो—लो, खाओ। थाली भरी हुई है। लेकिन, ध्यान से देखें तो वह पूरी तरह खाली है। ज्जब बारह साल बाद एक बच्चा बाहर निकलता है और वह एक पैराग्राफ़ पढ़ नहीं पाता या एक मामूली घटाव नहीं कर पाता, तो आप उँगली किस पर उठाएँगे? कोई एक वादा टूटा ही नहीं, सारे वादे एक साथ किए गए थे और सब एक-दूसरे में घुलकर गायब हो गए। जब भी हिंदुस्तानी व्यवस्था का कोई खंभा दरकता है, तो उसका धुआँ अपने तय समय पर ही दिखाई देता है। पहले वह नाकामी आती है, जो सालों से किसी अंधेरे कोने में सुलग रही होती है—किसी परीक्षा बोर्ड का खामोश सड़ांध मारता ढाँचा, छपने से पहले ही बिकता प्रश्नपत्र, या एक रात में पूरे देश पर थोप दी गई वह नीति, जिसपर किसी ने सलाह तक करने की ज़हमत नहीं उठाई।

फिर उठती हैं लपटें, और उन लपटों की रोशनी खींच लाती है तमाशबीनों की भीड़—राजधानी के चौराहों पर जुटे बिलखते छात्र, जेठ की धूप में गाढ़ा होता आँसू गैस का धुआँ, भूख हड़तालें और ऐसा विपक्ष, जो व्यवस्था के हर ज़ख्म में अपनी जीत का वोट तलाशने लगता है। और सबसे आखिर में, मानसून की तरह अपने तय समय पर टिप्पणियों का सिलसिला शुरू होता है । लेखक, अर्थशास्त्री, नीतियाँ बनाने वाले और उनकी आलोचना करने वाले—सब अपनी-अपनी ऐनक साफ़ करके मैदान में उतर आते हैं। हर किसी की जेब में एक बना-बनाया नुस्खा तैयार है। एक साहब को इसमें ऐसी सरकार की तानाशाही दिखती है, जो चुनाव जीतना तो सीख गई, पर संस्थाएँ चलाना भूल गई। दूसरे को दिखता है कि व्यवस्था अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों से कैसे चुपके से पीछे हट रही है—जहाँ मुफ़्त शिक्षा के अधिकार को बिकने वाली चीज़ बना दिया गया है। तीसरे साहब नीति-निर्माताओं की 'नैतिकताÓ को खोखला भावुक तर्क बताकर खारिज करते हैं और कहते हैं कि मामला सिफ़र् व्यवस्था का है—यानी स्कूल जो बना रहे हैं और बाज़ार जो खरीद रहा है, उनके बीच का टकराव। चौथे साहब दुनिया की दौड़ की ऊँचाई से देखकर हैरान होते हैं कि जो देश मशीनों के युग में बच्चों से पुरानी भाषाएँ रटवा रहा है, वह एक साधारण परीक्षा भी बिना चोरी के नहीं करा सकता। पाँचवें साहब इस पूरी तबाही को तीन शब्दों में बाँध देते हैं—सांप्रदायिकीकरण, व्यापारीकरण और केंद्रीकरण—और परीक्षा एजेंसी के सफाए तथा मंत्री की बलि की माँग करने लगते हैं। छठे साहब इस पूरे तामझाम को दिमागों के 'उपनिवेश-मुक्तिÓ की महान क्रांति बताते हैं और विरोध की उठती आवाज़ों में कोचिंग माफिया की साज़िश ढूँढ़ लेते हैं।

अपने-अपने ढाँचे में हर कोई सही है। और सच पूछिए, तो असली आफ़त यही है। पढ़ने वाला एक ही साँस में इन दलीलों से गुज़रता है, हर बात पर सिर हिलाता है और इस संतोष के साथ उठ खड़ा होता है कि उसने सब कुछ समझ लिया—सिवाय इसके कि कुछ बदलने वाला क्यों नहीं है।

इन तमाम पंडितों की लेखनी में एक ही समानता है—निशाना। सब उस चीज़ पर तीर चला रहे हैं, जो ठीक आँखों के सामने है—लीक हुआ प्रश्नपत्र, ताज़ा आदेश, सड़कों पर जमा भीड़ और कटघरे में खड़ा मंत्री। सब असर पर हमला कर रहे हैं, वजह पर नहीं। हमारे बुद्धिजीवियों ने खुद को बीमारी के लक्षणों का सुंदर वर्णन करने वाला ऐसा बारीक औज़ार बना लिया है कि वह बयानबाज़ी ही अपने आप में एक नशा बन चुकी है। जो देश अपनी बीमारी का नाम छह अलग-अलग भाषाओं में लेना सीख जाए, उसे इलाज की कोई जल्दी नहीं रहती। यह बहस किसी सुधार की तरफ़ नहीं ले जाती; यह बहस तो असल में उस सुधार की जगह लेने वाला नशा है। धुएँ के पीछे जलती इमारत को देखने के बजाय, ज़रा उस ढाँचे को देखिए, जिसे बनाया ही जलने के लिए गया था। कुछ साल पहले मैंने भारतीय कक्षा की तुलना एक थाली से की थी। बच्चा एक ऐसी थाली के सामने बैठा है, जो बेहिसाब पकवानों से भरी पड़ी है—दर्जनों विषय, तीन-तीन भाषाएँ और ऐसा पाठ्यक्रम, मानो दस साल के बच्चे के सामने इंसानियत के पूरे ज्ञान का इतिहास एक ही बार में परोस दिया गया हो और कहा गया हो—लो, खाओ। थाली भरी हुई है। लेकिन, ध्यान से देखें तो वह पूरी तरह खाली है। दुनिया का कोई बच्चा उस थाली से अपना पेट नहीं भर सकता। जो परोसा गया है, वह खाना नहीं—खाने का केवल भ्रम है। मैंने अपनी किताब का नाम रखा था—द फुल प्लेट। मुझे लगा था कि मैं व्यवस्था की एक भूल का ज़िक्र कर रहा हूँ। लेकिन असल में मैं उसके एक चालाक समाधान की व्याख्या कर रहा था। थाली भूल से भारी नहीं की गई है। उसे जान-बूझकर ऐसे भरा गया है, क्योंकि जो व्यवस्था सब कुछ देने का दावा करती है, उस पर किसी एक नाकामी का आरोप नहीं लगाया जा सकता। जब बारह साल बाद एक बच्चा बाहर निकलता है और वह एक पैराग्राफ़ पढ़ नहीं पाता या एक मामूली घटाव नहीं कर पाता, तो आप उँगली किस पर उठाएँगे? कोई एक वादा टूटा ही नहीं, सारे वादे एक साथ किए गए थे और सब एक-दूसरे में घुलकर गायब हो गए। यह फैलाव कोई उदारता नहीं है। यह तो जिम्मेदारी को इतने छोटे-छोटे टुकड़ों में बाँट देना है कि नाकामी का कोई एक सुराग ही न मिले। जिसकी नाप-जोख न हो सके, उस पर अदालत कैसे चले? भरी हुई थाली दरअसल ऐसा बही-खाता है, जिसे इतना उलझा दिया गया है कि कोई उसका ऑडिट ही न कर सके। यह किसी अफ़सर की नालायकी नहीं है। यह तो इस मशीन का असली डिज़ाइन है, जो ठीक वैसा ही काम कर रहा है, जैसा उसे करने के लिए बनाया गया था। और यही बात सबसे ज्यादा डरावनी है। क्योंकि नालायकी सुधारी जा सकती है, पर अपने मकसद में सफल मशीन को उसकी फितरत से बाज़ नहीं लाया जा सकता। ज़रा गौर से देखिए कि यह मशीन कर क्या रही है? इसने पढ़ाई की कसौटी को पूरी तरह 'परीक्षा की कसौटीÓ से बदल दिया है। ये दोनों बातें कभी एक नहीं थीं, और अब इनके बीच इतनी दूरी आ चुकी है कि एक पूरी समानांतर अर्थव्यवस्था उसी खाली जगह में फल-फूल रही है, जहाँ 'पास होनेÓ और 'जाननेÓ का सौदा होता है।

परीक्षा ही अब अकेला दरवाज़ा बन चुकी है। और क्योंकि वही अकेला दरवाज़ा है, इसलिए समाज की हर ताकत उसी पर टूट पड़ती है—लीक होते प्रश्नपत्र, मुन्ना भाइयों के गिरोह, कोचिंग की दुकानें और खरीदे गए नतीजे। जो विश्लेषक लीक होते प्रश्नपत्रों पर माथा पीटते हैं, वे पाइप के दबाव को पाइप की खराबी समझ बैठते हैं। वह दबाव इसलिए है क्योंकि व्यवस्था ने पूरे देश की उम्मीदों का सारा बोझ एक ही वाल्व पर लाद दिया है। वह वाल्व इसलिए नहीं फटता कि कुछ गड़बड़ हो गई है; वह इसलिए फटता है क्योंकि जब एक पूरी सभ्यता का बोझ एक ही जगह पड़ेगा, तो फटना ही उसका एकमात्र काम रह जाएगा। मैंने बाद में लिखा था कि कोई भी व्यवस्था सिफ़र् पढ़ाती नहीं, बल्कि खुद भी सीखती है। जो व्यवस्था सीख नहीं सकती, वह ठहरती नहीं—वह सड़ने लगती है। कोई तीसरा रास्ता नहीं है। सीखने वाली व्यवस्था वह होती है, जिसके संस्थान अपनी नाकामियों से सीखते हैं; जहाँ किनारे पर हुई गड़बड़ी केंद्र तक पहुँचती है और केंद्र को खुद में बदलाव करने पर मजबूर करती है। लेकिन हमारे पास जो है, वह है—'अदाकारी करने वाली व्यवस्थाÓ (परफ़ॉर्मिंग स्टेट)। अदाकारी करने वाली व्यवस्था नाकामी से सीखती नहीं, उसका नाटक रचती है। प्रश्नपत्र लीक होता है। बच्चे इक_ा होते हैं। तंत्र चौंककर जागता है। पर ज़रा ध्यान से देखिए कि जागता क्या है—पाइप को ठीक करने की नीयत नहीं, बल्कि पाइप के दिखाई देने का प्रबंध! समितियों का ऐलान होता है। मंत्रियों को बचाया या बलि का बकरा बनाया जाता है। एजेंसियों के नाम बदलकर उन्हें नया अवतार दे दिया जाता है। बुनियादी ढाँचा वहीं का वहीं रहता है। अखबारों में लेख छपते हैं। जनता का गुस्सा ठंडा पड़ता है। और मशीन फिर से अपने पुराने ढर्रे पर चलने लगती है। कुछ भी नहीं सीखा गया, क्योंकि सीखना कभी इस मशीन का काम था ही नहीं। इस अदाकार व्यवस्था के पास वह क्षमता ही नहीं है, जो किसी दिखाई देने वाली नाकामी को बुनियादी बदलाव में बदल सके। इसके पास सिफ़र् एक क्षमता है—दिखाई देने वाली नाकामी को पूरी खामोशी में बदल देने की।

लेकिन यह बीमारी सिफ़र् भारत की नहीं है। हर परिपक्व अफ़सरशाही देर-सबेर यह समझ लेती है कि हकीकत बदलने से कहीं ज़्यादा सस्ता है 'छविÓ का प्रबंधन करना। दुनिया भर के संस्थान अपनी मरम्मत करने से पहले इस बात को सँवारने में जुट जाते हैं कि वे बाहर से कैसे दिखाई दे रहे हैं। सरकारें नतीजों के बजाय घोषणाओं को मापती हैं। विश्वविद्यालय ज्ञान के बजाय डिग्रियों को मापते हैं। और कंपनियाँ दीर्घकालिक क्षमता के बजाय हर तीन महीने की घोषणाओं को सँवारती हैं। आधुनिक समाज इस कला में माहिर हो चुके हैं कि वे बदलाव का केवल दिखावा करें, जबकि उस भीतरी ढाँचे को पूरी तरह सुरक्षित रखें, जो किसी भी वास्तविक बदलाव को होने ही नहीं देता। यही वजह है कि सबसे बुद्धिमान समाज भी उन्हीं गलतियों को बार-बार दोहराते हैं, जिनकी वे पहले ही हजारों व्याख्याएँ कर चुके होते हैं। व्याख्या को ही सुधार मान लिया जाता है। पहचान को ही क्रांति मान लिया जाता है। और जान लेने को ही सीख मान लिया जाता है।

सरकार नैरेटिव बनवा रही कुछ न कुछ तो जरूर होगा

हरिशंकर व्यास

पिछले कई दिनों से इस बात की चर्चा है कि सरकार बहुत बड़ा कुछ करने जा रही है। कुछ बहुत बड़ा करने की प्लानिंग हो रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल के संसद भवन में जाने की तस्वीरें और वीडियो शेयर करके कहा जा रहा है कि कुछ होने वाला है। संसद भवन के कार्यालय में प्रधानमंत्री की बैठक या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ गृह सचिव गोविंद मोहन, आईबी के प्रमुख महेश दीक्षित और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल की मीटिंग की चर्चाए है। गुरुवार को हुई सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति यानी सीसीएस की बैठक की भी खूब चर्चा हुई। देर रात तक मीटिंग चली और सोशल मीडिया में यह अटकलें चलती रहीं कि क्या फैसला हो रहा है और क्या बड़ा होने वाला है।

अगले दिन यानी शुक्रवार की सुबह अखबारों में सीसीएस की बैठक की कोई खास रिपोर्टिंग नहीं हुई। लेकिन जो रिपोर्ट आई उसमें बताया गया कि सीसीएस की बैठक में वैश्विक हालात पर विचार हुए। ईंधन सुरक्षा को लेकर चर्चा हुई और साथ ही खाद्यान्न सुरक्षा के बारे में भी बातचीत हुई। सोचें, इसके लिए सीसीएस की बैठक की क्या तुक है? इसके लिए तो आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति यानी सीसीई की बैठक होनी चाहिए थी। सो, यह भी कहा जा रहा है कि सीसीएस की बैठक में असल में जो बातचीत हुई उसकी रिपोर्ट सामने नहीं आई है। राइटविंग के अनेक लोग और पूर्व अधिकारी पूरे भरोसे से बता रहे हैं कि कुछ बहुत बड़ा होने वाला है, जिसकी तैयारी हो रही है।

ध्यान रहे इस सरकार का यह ट्रेड मार्क रहा है कि जब भी वह किसी मामले में घिरती है तो कुछ बड़ा किया जाता है या कुछ भी किया जाता है, जिसे बड़ा कह कर प्रचारित किया जाता है। असल में यह न्यूज साइकल बदलने की कोशिश होती है। इसलिए

यह देखना दिलचस्प होगा कि न्यूज साइकल बदलने के लिए क्या बड़ा किया जाता है? आज के संदर्भ में सबसे बड़ा काम करने की बात हो तो कहा जा सकता है कि भारत सरकार के लिए मौका है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस हासिल कर ले। इस समय पीओके में चुनाव हो रहे हैं और उससे पहले लोगों के प्रदर्शन को दबाने के लिए पाकिस्तान की सरकार दमनकारी रवैया अख्तियार किए हुए है। 40 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। वहां महंगाई चरम पर है और पाकिस्तान विरोधी भावनाएं प्रबल हैं। अगर भारत सरकार दखल दे तो पीओके को मुक्त करा सकती है। ऐसे ही बलोच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी फौज के खिलाफ निर्णायक जंग छेड़ी है। सरकार को कुछ बड़ा करना है तो वह बलोचिस्तान को आजाद करा सकती है। लेकिन सवाल है कि क्या सरकार पाकिस्तान के मामले में कोई सैन्य दखल देने का फैसला करेगी? इसमें संदेह है क्योंकि पीओके और बलोचिस्तान दोनों में चीन के हित जुड़े हैं। अगर ये नहीं होगा तो क्या बड़ा हो सकता है? सैन्य कार्रवाई के अलावा कुछ भी बड़ा किया जाता है तो वह कोई ऐसा भावनात्मक ज्वार नहीं पैदा करेगा, जिससे नई पीढ़ी के छात्र और युवा अपनी तकलीफें और अपने आंदोलन की स्मृतियां भूल कर सरकार की जय जयकार करें। सरकार के पास करने को यह भी है कि अमेरिका के साथ जल्दी व्यापार संधि करें। लेकिन उससे कुछ नहीं होगा। यह वास्तविकता है कि भारत एक बाजार है और चीन के ऊपर निर्भर है। अमेरिका के साथ व्यापार करार भारत के व्यापार लाभ को घाटे में बदल सकता है। ऊपर से अमेरिका ने रूस के साथ तेल खरीद पर एक सौ फीसदी टैरिफ लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसका बिल सीनेट से पास हो गया है। सो, कुछ बड़ा करने की बजाय भारत को अमेरिका से अनुरोध करना पड़ सकता है कि वह रूस से तेल खरीदने दे और टैरिफ न लगाए। ध्यान रहे भारत अभी भारत एलपीजी और एलएनजी की अपनी जरुरत का सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका से आयात कर रहा है। यानी तेल, गैस के लिए अमेरिका और अमेरिका के कब्जे वाले वेनेजुएला पर भारत की निर्भरता बढ़ रही है। सामरिक और आर्थिक मामलों के अलावा सरकार के पास बड़ा कुछ करने के लिए क्या हो सकता है? एक धार्मिक भावनाओं को उभारने का मुद्दा है और दूसरा युवाओं को लुभाने के लिए उनको भी महिला सम्मान निधि की तर्ज पर कुछ नकद पैसे देने की योजना शुरू हो जाए या सभी युवाओं के लिए नौकरी की घोषणा कर दी जाए। कुछ बड़ा क्या हो सकता है, यह सोचना बडा मुश्किल है। सरकार के माली हालात इतने खराब है कि ऐसा कुछ भी करना देश का सोना भी गिरवी रखवाने वाला होगा। लेकिन हमेशा की तरह सरकार नैरेटिव बनवा रही है कुछ न कुछ तो जरूर होगा।

जेन-जी और जेन-अल्फा ने बढ़ाई संघ और भाजपा की चिंता

सनत जैन

देश की राजनीति में पिछले कुछ सप्ताह के घटनाक्रम ने यह संकेत दिया है। राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल विपक्ष नहीं, बल्कि देश का युवा वर्ग भी बनता जा रहा है। जेन-जी और जेन-अल्फा ऐसे दौर में खड़े हैं, जहां उनकी प्राथमिकताएं धर्म, जाति और भावनात्मक मुद्दों से अधिक शिक्षा, रोजगार, परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और भविष्य की चिंता है। यही कारण है, छात्र आंदोलनों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। छात्र आंदोलन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत का स्वयं सामने आना राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण घटना मानी जा रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है, यदि समय रहते युवा वर्ग की नाराजगी दूर नहीं की गई तो आने वाले वर्षों में भारी नुकसान हो सकता है। भाजपा की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत, धार्मिक ध्रुवीकरण थी, वह अपना प्रभाव खो सकती है। हर घर में पढ़ने वाला छात्र है, हर परिवार में रोजगार की चिंता है। प्रत्येक परिवार को महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। यही चिंता अब सड़कों पर दिखाई देने लगी है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कहे जाने की कथित टिप्पणी के बाद जो विवाद खड़ा हुआ है, उसने छात्र असंतोष को अधिक उग्र बना दिया है। अभिजीत दीपके द्वारा गठित कॉकरोच जनता पार्टी और उसके आंदोलनों ने राजनीतिक परिस्थितियों को नई दिशा दे दी है। माना जा रहा है, प्रारंभ में इस आंदोलन को नियंत्रित दायरे में रखने की जो रणनीति भाजपा ने बनाई थी, वह पूरी तरह से विफल हो गई है। घटनाक्रम पूरी तरह से जो सोचा गया था, वह उलटा पड़ गया है। पेपर लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता, भ्रष्टाचार और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन 20 जुलाई के संसद चलो अभियान के बाद राष्ट्रीय मुद्दा बन गया। प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस, पेलट गन और पुलिस की कथित बर्बरतापूर्ण कार्रवाई ने आंदोलन को पेपर लीक मुद्दे और शिक्षा के मुद्दे तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि उसे केंद्र सरकार के खिलाफ व्यापक असंतोष में बदल दिया है। देशभर में लगभग 200 स्थानों पर हुए प्रदर्शनों ने यह स्पष्ट कर दिया है। युवा अब केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है। संगठित होकर वह अपनी बात मनवाने के लिए सड़कों पर आने की क्षमता भी रखता है। इस दौरान भाजपा और संघ से जुड़े कई नेताओं के बयानों ने आंदोलन की आग

में घी डालने का काम किया है। आंदोलन की आग को और भड़का दिया है। आंदोलनकारियों को राष्ट्रविरोधी, गैर-जिम्मेदार अथवा अन्य आपत्तिजनक विशेषणों से सत्ता पक्ष के द्वारा संबोधित करने के प्रयासों ने युवाओं की नाराजगी कम करने के बजाय उसे और बढ़ा दिया है। यही वह मोड़ था, जहां संघ को चिंता हुई और उसे अपनी रणनीति बदलने की आवश्यकता महसूस हुई।

मुंबई में संघ प्रमुख मोहन भागवत का संविधान, बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर, आरक्षण तथा युवाओं के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक प्रश्नों पर खुलकर बोलना, केवल वैचारिक वक्तव्य नहीं है। संघ और उसके अनुवांशिक संगठनों की एक मजबूरी भी बन गई है। मोहन भागवत का यह कार्यक्रम एक राजनीतिक संदेश माना जा रहा है। उन्होंने युवाओं की जिज्ञासाओं और प्रश्नों को लोकतांत्रिक संवाद का हिस्सा बताया। यह बदलाव इस बात का संकेत है, संघ और भाजपा अब टकराव की बजाय संवाद की रणनीति अपनाने की कोशिश कर रहा है। इसमें संघ कितना सफल होगा कहना मुश्किल है। संघ के संगठन में गोपनीयता और विचारों की अभिव्यक्ति की सीमित छूट होती है। वर्तमान युवा असीमित ज्ञान और असीमित इच्छाओं के साथ सड़कों पर उतरा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है, राहुल गांधी लगातार पेपर लीक, बेरोजगारी और शिक्षा जैसे मुद्दों को उठाकर युवा वर्ग में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। युवाओं का यह वर्ग धार्मिक ध्रुवीकरण से हटकर रोजगार, शिक्षा और आर्थिक अवसरों को लेकर राहुल गांधी से प्रभावित हो रहा है। इसका असर आगामी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव में मतदान का आधार बनाता है, तो भारतीय राजनीति का पूरा विमर्श ही बदल सकता है। इस समय संघ और भाजपा दोहरे संकट से गुजर रही है। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा और चंदा चोरी का मामला भी सुर्खियों में है। जिसने धार्मिक ध्रुवीकरण को प्रभावित किया है। युवा सपनों के भरोसे नहीं, परिणामों के आधार पर निर्णय लेते हैं। महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा आज उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न हैं। केवल बड़े वादों, भावनात्मक नारों और वैचारिक आधार पर अब युवा वर्ग मानने वाला नहीं। सरकारों और संवैधानिक संस्थाओं को पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, रोजगार सृजन, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, महंगाई और भ्रष्टाचार इत्यादि में ठोस पारदर्शी सक्षम परिणाम देने होंगे। इतिहास गवाह है, जब युवा संगठित होकर अपने भविष्य के प्रश्नों के साथ खड़ा होता है, तो राजनीति की दिशा बदल जाती है। जेन-जी और जेन-अल्फा को केवल चुनावी गणित से नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की निर्णायक शक्ति के रूप में देखना होगा। आने वाले समय में यह तय होगा, सत्ता उनकी आकांक्षाओं को वास्तविक नीतियों में बदलती है, या सपना ही दिखाती है। युवाओं का वर्तमान असंतोष भारतीय राजनीति का नया इतिहास बनाने जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने समय रहते युवाओं की बीमारी को पहचान लिया है।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आपको कारोबार में डबल मुनाफा होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज आप काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। आज अगर आप किसी नए बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहे हैं तो माता-पिता के साथ विचार-विमर्श अवश्य कर लें।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जो आपको तरक्की के रास्ते पर लेकर जाएंगे। आज आप अपनी कार्यकुशलता के दम पर किसी कार्य को पूरा करने में सफल रहेंगे। आज आप कुछ समय अपने रुचि पूर्ण कार्यों में भी व्यतीत करें, जिससे आपको आत्मिक और मानसिक खुशी मिलेगी।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको मेहनत का फल जरूर मिलेगा, जिससे आपके मन में प्रसन्नता आएगी। आज आपको परिवार की तरफ से बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी, जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे। आज का समय आपको लाभ दिलाएगा, लेकिन इसका सदुपयोग करना आपकी योग्यता पर भी निर्भर करता है।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज प्राइवेट ऑफिस में कार्यरत व्यक्तियों का प्रोजेक्ट पूरा होगा, जिससे बॉस आपसे खुश होंगे। आज आप दिन भर कई तरह के कामों में व्यस्त रहेंगे, जिससे आपको थकान हो सकती है। आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा, जिससे आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आप सबसे पहले उन कार्यों को करें, जो काफी समय से पेंडिंग पड़े हैं। आज आपको खुशखबरी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा और आप अपने अंदर नया जोश और ऊर्जा महसूस करेंगे।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें आपको दोगुना लाभ होगा। आज आपको रोजगार में पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे समाज में आपका रुतबा बढ़ेगा। आज जीवनसाथी तथा परिवारजनों का सहयोग आपकी कार्य क्षमता को और अधिक बेहतर बनाएगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में अच्छा धन लाभ होगा और आपका रुका हुआ पैसा भी वापस मिलेगा। आज आपका रुझान धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में बढ़ेगा। आज आप नेगेटिव व्यक्तियों से दूर रहें और अपने मनोबल को मजबूत करें।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लेकर आया है। यदि आज आप कोई शॉप ओपन करना या शिफ्ट करना चाहते हैं, तो उससे जुड़ी सारी जानकारी पहले ही प्राप्त कर लें। आज आप अपने व्यवहार में थोड़ा परिवर्तन लेकर आएं, जिससे एम्पलॉय के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहें।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आपके अधिकतर काम पूरे हो जाएंगे, जिससे आपको संतुष्टि मिलेगी। आज आप कोई भी नया काम शुरू करने से पहले उससे जुड़ी सारी जानकारी इकी कर लें। आज आप खुद के फैसलों पर यकीन रखें और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप पार्टनरशिप में किसी बिजनेस की शुरुआत को लेकर विचार-विमर्श कर सकते हैं, जिससे आने वाले समय में आपको मेहनत के मुताबिक सफलता मिल सके। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज व्यापारिक दृष्टि से आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं की बढ़ोतरी होगी। आज आप अनुभवी व्यक्तियों के मार्गदर्शन में अपने आसपास की परिस्थितियों में थोड़ा बदलाव महसूस करेंगे।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी में उन्नति प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे। आज आपकी नए व्यक्तियों से मुलाकात होगी और आपके रुके हुए काम पूरे होने से संतुष्टि मिलेगी। आज आप जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने जाएंगे। बेहतर होगा अगर आप सामान की लिस्ट बना लें। आपके घर में मेहमान का आगमन हो सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

थॉम्पसन की घातक गेंदबाजी से बांग्लादेश 54 रन पर ढेर, ऑस्ट्रेलिया एकादश ने पारी और 38 रन से दर्ज की जीत

एजेंसी, डार्विन

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज कैंपबेल थॉम्पसन की कहर बरपाती गेंदबाजी के दम पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया एकादश ने बांग्लादेश को अभ्यास मैच में पारी और 38 रन से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला शुरू होने से सिर्फ पांच दिन पहले बांग्लादेश की दूसरी पारी महज 54 रन पर सिमट गई। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के 22 वर्षीय तेज गेंदबाज थॉम्पसन ने 11 ओवर में 25 रन देकर आठ विकेट झटके और बांग्लादेश की बल्लेबाजी को लगभग अकेले ही तहस-नहस कर दिया। थॉम्पसन के इस प्रदर्शन ने मेहमान टीम की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। थॉम्पसन ने मैच के दूसरे दिन के आखिर में दो विकेट लेकर बांग्लादेश की दूसरी पारी का स्कोर 2 विकेट पर 19 रन कर दिया था। इसके बाद शुक्रवार सुबह उन्होंने छह और विकेट झटकते हुए बांग्लादेश की पूरी पारी को 54 रन पर समेट दिया। थॉम्पसन ने मैच के बाद कहा, "आज सुबह इसे खत्म करने के लिए मेरा स्पष्ट तरीका था—नई गेंद का इस्तेमाल करना, उसे स्विंग कराना और स्टंप पर गेंदबाजी करना। मैं भाग्यशाली रहा कि कुछ विकेट मिल गए।" उन्होंने कहा, "दूसरी पारी में हमें पहली पारी की तुलना में थोड़ी छोटी लेंथ पर गेंदबाजी करनी थी। इसलिए गेंद को थोड़ा पीछे खींचकर स्टंप के ऊपरी हिस्से को निशाना बनाना और अपनी प्रक्रिया को स्पष्ट रखना मुख्य लक्ष्य था।" थॉम्पसन ने कहा, "मुझे लगता है कि मैं नई गेंद से गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज हूं। इसलिए मैं गेंद को स्विंग कराने और स्टंप पर निशाना लगाने की कोशिश करता हूं और इस बार मैं भाग्यशाली रहा।" थॉम्पसन हाल ही में हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। उनके नाम अभी केवल एक प्रथम श्रेणी मैच है, लेकिन इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने टीम में अपने चयन को सही साबित किया। ऑस्ट्रेलिया एकादश की जीत में ऑफ स्पिनर कोरी रोकिचियोली ने भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पहली पारी में छह विकेट लिए थे और दूसरी पारी में भी चार ओवर में सिर्फ छह रन देकर दो विकेट हासिल किए। इससे पहले टेग वायली ने 130 रन की शानदार पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया एकादश को मजबूत स्थिति में पहुंचाया था। थॉम्पसन और रोकिचियोली की शानदार गेंदबाजी ने टीम को यादगार जीत दिला दी।

मैच का संक्षिप्त स्कोर: क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया एकादश 355 रन (टेग वायली 130, डेविड डोरान 76, जेम्स पैटरसन 53; महमूद 4/42) ने बांग्लादेश 263 रन (मेहदी हसन मिराज नाबाद 109; कोरी रोकिचियोली 6/83) और 54 रन (कैंपबेल थॉम्पसन 8/25) को पारी और 38 रन से हराया।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप: आशीष यादव ने भाला फेंक में जीता रजत

भारत को विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में मिला पहला पदक

एजेंसी, यूजीन, ओरेगन

भारत के आशीष यादव ने शुक्रवार को विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश का खाता खोला। आशीष ने फाइनल में 74.09 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। आशीष ने अपने तीसरे प्रयास में 74.09 मीटर भाला फेंककर पोडियम स्थान सुनिश्चित किया। वह विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भाला फेंक में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले नीरज चोपड़ा ने 2016 में स्वर्ण पदक जीता था। दक्षिण अफ्रीका के जान-हेन्ड्रिक हेमन्स ने 80.50 मीटर के शानदार प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। यह इस सत्र में किसी अंडर-20 खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हेमन्स ने अपने पहले ही प्रयास में बढ़त हासिल कर ली थी और हर राउंड के साथ अपना प्रदर्शन बेहतर करते हुए पहली बार 80 मीटर से अधिक की दूरी हासिल की। आशीष की शुरुआत हालांकि धीमी रही। उनके पहले दो प्रयास 70 मीटर की दूरी भी पार नहीं कर सके।

लेकिन तीसरे प्रयास में उन्होंने लय हासिल करते हुए 74.09 मीटर की दूरी तय की और अपने करियर का सबसे बड़ा पदक अपने नाम कर लिया। कॉमनवेल्थ ऑफ डोमिनिका के एडिसन जेम्स ने 73.89 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले दूसरे भारतीय टी. धरनीधरन 72.35 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ छठे स्थान पर रहे।

विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप: 400 मीटर फाइनल में आठवें स्थान पर रहे मोहम्मद अशफाक

एजेंसी, यूजीन, ओरेगन

भारत के मोहम्मद अशफाक विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के फाइनल में आठवें स्थान पर रहे। शुक्रवार को हुए फाइनल में अशफाक ने 46.20 सेकंड का समय निकाला। दूसरी लेन में दौड़ रहे अशफाक ने तेज शुरुआत की और कुछ समय तक शीर्ष पांच खिलाड़ियों में बने रहे। हालांकि, अंतिम चरण में उनकी रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गई और वह आठवें स्थान पर रहे। अमेरिका के जेडेन डीलियोन ने 44.47 सेकंड के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनके हमवतन क्विंसी विल्सन ने 44.62 सेकंड के साथ रजत, जबकि दक्षिण अफ्रीका के लीनडर्ट कोएकेमोर ने 44.96 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया। यह विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के इतिहास में पहली बार है जब पुरुषों की 400 मीटर फाइनल में तीनों पदक विजेताओं ने 45 सेकंड से कम समय निकाला। अशफाक ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में पहुंचने से पहले अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा था। 19 वर्षीय भारतीय धावक ने हीट-5 में 45.81 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने अपना ही 46.05 सेकंड का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने छोड़ा इंग्लैंड लायंस के कोच का पद, सिडनी थंडर से जुड़े

एजेंसी, लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने ऑस्ट्रेलिया की टी20 बिग बैश लीग में सिडनी थंडर का मुख्य कोच नियुक्त किए जाने के बाद इंग्लैंड लायंस के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। 48 वर्षीय फ्लिंटॉफ करीब दो साल तक इंग्लैंड की दूसरी टीम लायंस के मुख्य कोच रहे। फ्लिंटॉफ ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने लायंस के साथ अपनी जिम्मेदारी से हटने का फैसला किया है। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, "दुर्भाग्य से, मैंने लायंस के साथ अपनी भूमिका से हटने का फैसला किया है। देश के सर्वश्रेष्ठ युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने और उन्हें आगे बढ़ते हुए देखने का अवसर पाकर मुझे बेहद खुशी हुई और मुझे इस पर गर्व है।" उन्होंने कोचिंग स्टाफ और सहयोगी टीम के सदस्यों का भी आभार जताया। फ्लिंटॉफ ने कहा, "मैं सभी कोचों और स्टाफ को उनके जुनून, अथक मेहनत और हर दिन मिलने वाले सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। विशेष रूप से एड बार्नी के साथ काम करना मेरे लिए शानदार रहा और मैं भाग्यशाली था कि वह प्रदर्शन निदेशक के रूप में मेरे साथ थे। साथ ही रॉब (की) का भी धन्यवाद, जिन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट की सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक की जिम्मेदारी मुझ पर भरोसे के साथ सौंपी।"

विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप: पूजा ने ऊंची कूद के फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, यूजीन, ओरेगन

भारत की पूजा ने शुक्रवार को विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी पूजा ने 1.79 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पदक दौर में प्रवेश किया। सीधे क्वालीफिकेशन के लिए 1.84 मीटर का मानक निर्धारित था, लेकिन कोई भी एथलीट इसे पार नहीं कर सकी। ऐसे में 1.79 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाने वाली सभी 12 एथलीट फाइनल में पहुंचीं। पूजा ने इसी साल हरियाणा की इस युवा एथलीट ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1.93 मीटर की छलांग लगाकर 14 साल पुराना सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। यह रिकॉर्ड पहले सहाना कुमारी के नाम था। पूजा ने उस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक भी जीता था। पुरुषों की लंबी कूद में भारत के शाहनवाज खान और आर.सी. जितिन अर्जुनन ने भी फाइनल में जगह बना ली। दोनों खिलाड़ी सीधे क्वालीफिकेशन के लिए निर्धारित 7.75 मीटर का मानक हासिल नहीं कर सके, लेकिन शीर्ष-12 में रहने के कारण पदक दौर में पहुंच गए।

शाहनवाज ने 7.73 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर ग्रुप-ए में चौथा और कुल मिलाकर पांचवां स्थान हासिल किया। वहीं जितिन अर्जुनन ने 7.57 मीटर की छलांग के साथ ग्रुप-ए में सातवां और कुल 12वां स्थान हासिल किया।

बिजनेस

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने ई20 ईंधन में मिलावट के दावों को किया खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) ने ई20 पेट्रोल में ज्यादा क्लोराइड और नमी मिलने के दावों को खारिज कर दिया है। इन कंपनियों का कहना है कि देशभर में हुई जांच में ऐसे आरोप सही नहीं पाए गए हैं। ऑयल कंपनियों की जांच में 500 पीपीएम क्लोराइड और नमी होने के दावों की पुष्टि नहीं हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि ऑयल कंपिनयों का कहना है कि देशभर में की गई बड़े पैमाने पर जांच में ऐसे किसी दावे की पुष्टि नहीं हुई है। ओएमसी ने साफ कहा कि ई20 पेट्रोल की क्वालिटी तय पेट्रोल की क्वालिटी तय मानकों के अनुरूप है और लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से देशभर में की गई विस्तृत जांच में ई20 पेट्रोल में नमी या क्लोराइड प्रदूषण के दावों की पुष्टि नहीं हुई है। इनकी जांच में ईंधन की गुणवत्ता भी तय मानकों के भीतर पाई गई है। यह जांच हाल में कई मीडिया में आई खबरों के बाद तेज की गई थी, जिनमें 20 फीसदी इथेनॉल के मिश्रण वाले ई-20 पेट्रोल में नमी और क्लोराइड पाए जाने की बात कही गई थी। मंत्रालय के मुताबिक इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने एक संयुक्त बयान में कहा कि समूची आपूर्ति श्रृंखला में की गई इस जांच से यह पुष्टि हुई कि ईंधन की गुणवत्ता लगातार निर्धारित मानकों के भीतर रही। तेल कंपनियों ने स्पष्ट किया कि जांच में किसी भी तरह के प्रदूषण का कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है। बयान के मुताबिक रिफाइनरी से लेकर पेट्रोल पंप तक समूची आपूर्ति श्रृंखला में ईंधन गुणवत्ता की सख्त निगरानी की जा रही है। पेट्रोल पंपों पर रोजाना 8-12 बार पानी की मिलावट एवं घनत्व की जांच हो रही है और इसके साथ मोबाइल लैब से भी परीक्षण किए जा रहे हैं। जांच में पेट्रोल के 100 से अधिक नमूनों में क्लोराइड स्तर 1 पीपीएम या उससे कम पाया गया। वहीं, डिस्टिलरी और खुदरा स्तर के नमूनों में यह 3 पीपीएम से नीचे रहा, जो "कई सौ पीपीएम" के दावों के विपरीत है। पीपीएम (पार्ट्स पर मिलियन) का मतलब है कि किसी पदार्थ में किसी तत्व की मात्रा प्रति दस लाख हिस्सों में कितनी है। पेटोलियम मंत्रालय ने कहा कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने स्पष्ट किया कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीएमएस) यानी ई20 पेट्रोल में कोई मिलावट नहीं है। इन कंपनियों ने ई20 पेट्रोल में नमी और क्लोराइड की मात्रा के बारे में मीडिया में आई रिपोर्टों के बीच पूरी सप्लाई चेन में एक अतिरिक्त और गहन देशव्यापी जांच टेस्टिंग की। इनके नतीजों से यह पुष्टि होती है कि ईंधन की क्वालिटी लगातार तय सीमाओं के भीतर ही है। ऐसे में ई20 को लेकर घबराने की कोई वजह नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि उपभोक्ता पूरे भरोसे के साथ ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल जारी रख सकते हैं, क्योंकि ओमएसी नेटवर्क के माध्यम से सप्लाई किया जाने वाला ईंधन तय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है। इसके सप्लाई चेन के हर चरण पर उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा के लिए मजबूत गुणवत्ता आश्वासन और निगरानी प्रणालियां भी लागू हैं।

यूपीआई लेनदेन उपभोक्ताओं, छोटे कारोबारियों के लिए बना रहेगा मुफ्त : पीसीआई

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय भुगतान परिषद (पीसीआई) ने कहा कि भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 में संशोधन के बावजूद आम उपभोक्ता और छोटे कारोबारी एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) का इस्तेमाल किसी शुल्क के बगैर करते रहेंगे। पीसीआई का यह बयान लोकसभा में कराधान और अन्य विधियां (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित होने के एक दिन बाद आया है, जिसमें सरकार को यूपीआई सहित अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों पर शुल्क लगाने की अनुमति देने का प्रावधान किया गया है। पीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर बयान जारी कर कहा कि 2016 में शुरू होने के बाद से यूपीआई से उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त रहा है और आगे भी बिना किसी लेन-देन शुल्क के डिजिटल भुगतान जारी रहेगा। परिषद ने ये भी स्पष्ट किया कि किराना दुकानों सहित छोटे व्यापारियों को यूपीआई भुगतान स्वीकार करने पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) नहीं देना होगा। इसके साथ ही पीसीआई ने कहा कि भविष्य में यदि बड़े कारोबारियों पर मर्चेंट सेवा शुल्क लगाया जाता है, तब भी उपभोक्ताओं को यूपीआई इस्तेमाल करने के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा। परिषद ने यह स्पष्ट किया है कि जहां भी लागू हो, एमडीआर शुल्क व्यापारी और भुगतान सेवा प्रदाताओं के बीच व्यावसायिक व्यवस्था होती है। इसका बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ता है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी इस विधेयक के पास होने के बाद ये स्पष्ट किया था कि मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) केवल कारोबारियों पर लागू होता है। सीतारमण ने बताया कि ग्राहकों से इसका कोई लेना-देना नहीं है। ये निवेश वित्तीय ढांचे और सुरक्षा को मजबूत करता है। इस संबंध में भारतीय भुगतान परिषद (पीसीआई) ने भी पुष्टि की है कि यूपीआई सेवाएं उपभोक्ताओं के लिए पूरी तरह मुफ्त बनी रहेंगी। उल्लेखनीय है कि, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा था कि एमडीआर शुल्क ग्राहकों पर नहीं, बल्कि ये कारोबारियों पर लागू होता है। इससे मिलने वाली राशि का उपयोग बैंक और वित्तीय-प्रौद्योगिकी कंपनियां अपने अवसंरचना एवं सुरक्षा सुधार में करती हैं। साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता जयराश रमेश के उस दावे को भी खारिज किया था, जिसमें कहा गया था कि आम लोगों पर यूपीआई इस्तेमाल का बोझ बढ़ सकता है।

भारत व श्रीलंका ने विद्युत क्षेत्र में सहयोग को मजबूत बनाने पर की बातचीत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका ने शुक्रवार को यहां एक बैठक के दौरान विद्युत क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने किया, जबकि श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बंदरगाह एवं नागरिक उड्डयन तथा ऊर्जा मंत्री अनुरा करुणातिलके ने किया। विद्युत मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंत्रियों ने प्रस्तावित भारत-श्रीलंका एचवीडीसी इंटरकनेक्शन और संपूर सोलर पावर प्रोजेक्ट सहित चल रही द्विपक्षीय पहलों की प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव का समर्थन करने के उद्देश्य से सीमा के पार विद्युत व्यापार, नवीकरणीय ऊर्जा, ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर और क्षमता विकास में सहयोग को गहरा करने के अवसरों पर भी चर्चा की। मंत्रालय ने बताया कि भारतीय पक्ष ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के रूप में टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) ढांचे के जरिए ट्रांसमिशन सिस्टम के विकास में अपने अनुभव को भी साझा किया। इसके अलावा दोनों पक्षों ने मौजूदा द्विपक्षीय तंत्रों के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की और सतत विकास तथा क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा के लिए विद्युत के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। विद्युत मंत्रालय के मुताबिक मनोहर लाल ने लंबे समय से चली आ रही भारत-श्रीलंका ऊर्जा साझेदारी के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया है। वहीं, अनुरा करुणातिलके ने भारत के निरंतर समर्थन की सराहना की और द्विपक्षीय ऊर्जा सहयोग को और अधिक विस्तार देने की श्रीलंका की प्रतिबद्धता व्यक्त की। मंत्रालय ने कहा कि इस बैठक में विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल में भारत में श्रीलंका की उच्चायुक्त महिशिनी कोलोन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

होर्मुज बाधित होने के बावजूद भारत में नहीं हुई ईंधन की किल्लत: हरदीप पुरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि इस साल होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से आपूर्ति बाधाएं पैदा होने के बावजूद भारत ने विविध स्रोतों, बढ़ी हुई रिफाइनिंग क्षमता और घरेलू उत्पादन के जरिए उपभोक्ताओं को किसी अभाव का सामना नहीं करने दिया। हरदीप सिंह पुरी ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में सीआईआई अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन और एग्जिबिशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को केवल हाइड्रोकार्बन की उपलब्धता तक सीमित रखने के बजाय आयात के विविधीकरण, रणनीतिक साझेदारियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार और वैकल्पिक ईंधनों जैसे व्यापक दृष्टिकोण को अपनाया है।

उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते जहाजों का आवागमन बाधित होने के बावजूद देश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू रही। पुरी ने कहा, 'ईरान युद्ध शुरू होने से पहले भारत अपने कच्चे तेल का करीब आधा आयात इसी मार्ग से जुड़े देशों से करता था, जबकि 90 फीसदी एलपीजी और 60 फीसदी गैस आयात भी इसी रास्ते से होता था।' पुरी ने उद्योग मंडल सीआईआई के कार्यक्रम को उन्होंने कहा कि आपूर्ति बाधित होने के बावजूद भारत ने स्रोतों में विविधता लाकर देश में कहीं भी कमी नहीं होने दी। उन्होंने आगे कहा, "मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि एक भी पेट्रोल पंप सूखा नहीं पड़ा।" पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आयात स्रोतों को 27 से बढ़ाकर 41 देशों तक कर दिया है, जबकि पेट्रोल पंपों की संख्या 2014 के लगभग 52,000 से बढ़कर अब 1.07 लाख हो गई है। शहरी गैस वितरण नेटवर्क का विस्तार भी 55 क्षेत्रों से बढ़कर 309 तक हो गया है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों से आयात में आई कमी की भरपाई के लिए घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी का उत्पादन बढ़ाया गया।

खतरनाक स्टंट करने की हिम्मत देते हैं, फरहाना भट्ट ने रोहित शेट्टी को बताया मजबूत सपोर्ट

स्टंट आधारित शो खतरों के खिलाड़ी में कंटेस्टेंट्स को शारीरिक ताकत के साथ-साथ मानसिक मजबूती भी दिखानी पड़ती है। ऐसे में होस्ट की भूमिका काफी अहम हो जाती है, क्योंकि उनका हौसला बढ़ाना कई बार कंटेस्टेंट्स को अपने डर पर जीत हासिल करने में मदद करता है। इस कड़ी में अभिनेत्री फरहाना भट्ट ने शो के होस्ट और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोहित खिलाड़ियों में ऐसा आत्मविश्वास भर देते हैं कि वे उन स्टंट को भी करने के लिए तैयार हो जाते हैं, जिनसे वे शुरुआत में डर रहे होते हैं। बिग बॉस 19 में नजर आ चुकीं फरहाना भट्ट ने कहा, रोहित एक शानदार होस्ट हैं और उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह कंटेस्टेंट्स को लगातार प्रेरित करते रहते हैं। कई बार ऐसा होता है कि कोई स्टंट देखकर आपको डर लगने लगता है और आपको लगता है कि शायद आप उसे नहीं कर पाएंगे। लेकिन अगर उसी समय रोहित शेट्टी आपके पास खड़े हों और आपका साथ दे रहे हों, तो आपको अलग ही हिम्मत मिलती है। उन्होंने आगे कहा, रोहित के सपोर्ट के साथ कोई भी कंटेस्टेंट मौत के कुएं जैसे डरावने स्टंट में भी उतरने का साहस जुटा सकता है। शो को लेकर फरहाना ने कहा, इस शो में जीतने के लिए सिर्फ ताकत नहीं, बल्कि पूरी ईमानदारी और सौ फीसदी समर्पण की जरूरत होती है। फरहाना ने कहा, मेरा मानना है कि इस शो में वही आगे बढ़ सकता है, जो हर स्टंट में अपना सौ फीसदी देता है। जब आप बिना डरे पूरी मेहनत के साथ चुनौती का सामना करते हैं, तभी आपका असली प्रदर्शन सामने आता है। दर्शक भी उसी कंटेस्टेंट को पसंद करते हैं, जो हर टास्क में पूरी लगन और हिम्मत दिखाता है। आखिर में दर्शक ही तय करते हैं कि कौन इस शो का असली विजेता बनने के योग्य है। हाल ही में अभिनेता गौरव खन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें स्टंट के दौरान लगी चोटों के निशान दिखाई दे रहे थे। उन्होंने बताया था कि एक टास्क को पूरा करने के दौरान उनकी पीठ पर लेजर से जलने के निशान आ गए थे। खतरों के खिलाड़ी 15 का टेलीकास्ट कलर्स टीवी पर होता है।

गौरव मेरा कंफर्ट जोन नहीं डॉग वाले बयान पर आकांक्षा चमोला ने तोड़ी चुप्पी

टेलीविजन अभिनेत्री और लॉकअप-2 कंटेस्टेंट रही आकांक्षा चमोला ने पति गौरव खन्ना को लेकर दिए गए विवादित बयान पर चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने बताया कि जिस तरह से उनके बयानों को तोड़कर दिखाया गया है, वैसा कुछ भी नहीं था। आकांक्षा चमोला ने शो से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, मैं चाहती थी कि शो के अंदर विजिटर के तौर पर मुझसे वो लोग मिलने आए, जिनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं जैसे कि मेरे माता-पिता या फिर डॉग आते तो मुझे अच्छा लगता, क्योंकि इनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं। गौरव भले ही मेरा पति हैं और अब हम डिवॉर्स लेने जा रहे हैं, लेकिन वो मेरा कंफर्ट जोन नहीं हैं। वो पता नहीं क्यों आया, शायद अपनी मर्जी से आया होगा।

दरअसल, शो के दौरान आकांक्षा चपोला के पति गौरव खन्ना उनसे मिलने के लिए आए थे, जिसके कुछ एपिसोड बाद अभिनेत्री ने बताया था कि शो के दौरान गौरव खन्ना की जगह कोई ऐसा मिलने आता, जिसके साथ वो अपनापन महसूस करती, भले उनका डॉग मिलने आता। शो में एंट्री लेने से पहले आकांक्षा चमोला ने अपना सीक्रेट रिवील करते हुए बताया था कि वह और गौरव खन्ना एक साल से अलग रह रहे हैं और तलाक लेने जा रहे हैं। इसके बाद श्रेया कालरा ने उनका दूसरा सीक्रेट रिवील कर दिया था कि वे बायसेक्सुअल हैं, जिसके बाद आकांक्षा चमोला ने ये बात स्वीकारी भी थी। साथ ही ये भी बताया था कि पति गौरव खन्ना को भी उनकी सेक्सुअलिटी के बारे में पता था। रितेश देशमुख और फराह खान द्वारा होस्ट किए गए इस शो में शिल्पा शिंदे, श्रेया कालरा, आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे पॉपुलर नाम थे, हालांकि कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने टॉप 3 की रेस में शिवांगी जोशी और योगेश रावत को हराकर इस सीजन की ट्रॉफी अपने नाम कर 1 करोड़ का इनाम भी अपने नाम किया।

आवारापन 2 ट्रेलर रिलीज, खून से लथपथ इमरान हाशमी ने मौत से बताया पुराना रिश्ता, प्यार के लिए मरने-मारने को तैयार

इमरान हाशमी और दिशा पटानी स्टारर फिल्म आवारापन 2 के ट्रेलर का इंतजार खत्म हो गया है, क्योंकि मेकर्स के वादे के मुताबिक फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है. मेकर्स ने बताया था कि फिल्म का ट्रेलर 6 अगस्त को रिलीज होगा. मेकर्स ने पोस्ट के कैप्शन में ट्रेलर की रिलीज डेट और टाइम के बारे में बताते हुए लिखा था, कल सुबह 11:11. शिवम रिटर्न्स. आवारापन 2 ट्रेलर. अब जब आवारापन 2 का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, तो इमरान हाशमी के फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ चुकी है. बता दें, पूरे 19 साल बाद आवारापन का सीक्वल आया है और फिल्म बहुत जल्द रिलीज भी होने वाली है. 1.25 मिनट के ट्रेलर में इमरान हाशमी ही छाए हुए हैं. हालांकि ट्रेलर में देखने को मिल रहा है कि उन पर कितने अत्याचार हो रहे हैं. फिल्म का पूरा ट्रेलर मार-धाड़ और इमरान हाशमी की बदले की आग से भरा हुआ है. शबाना आजमी और फिल्म के अन्य कलाकारों का भी विलेन वाला डार्क मोड नजर आ रहा है. ट्रेलर काफी छोटा है, उसके बावजूद भी बहुत शानदार नजर आ रहा है. ट्रेलर में इमरान हाशमी के सिक्स पैक एब्स भी नजर आ रहे हैं. बता दें, इंस्टाग्राम लाइव के दौरान प्रोड्यूसर विशेष भट्ट ने सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों के बारे में बात की थी. उन्होंने साफ किया था कि आवारापन 2 की रिलीज डेट का एलान होने के बाद इसे कभी भी टाला नहीं गया है. उन्होंने बताया कि ऐसी खबरें पूरी तरह से झूठी हैं जिनमें कहा गया था कि फिल्म को सितंबर तक के लिए टाल दिया गया है. नितिन कक्कड़ की निर्देशित, आवारापन 2 में इमरान हाशमी शिवम पंडित की अपने पॉपुलर रोल को दोहराते नजर आने वाले हैं. फिल्म में दिशा पटानी, शबाना आजमी, सुविंदर विक्की, विजयंत कोहली, अनिरुद्ध रावल और अतुल कुमार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं. विशेष भट्ट प्रोडेक्शंस और विशेष फिल्म की पेशकश आवारापन 2 आगामी 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज हो रही है.

'द ओडिसी और 'जन नायकन की रफ्तार हुई धीमी, 'स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे का जलवा कायम

बॉक्स ऑफिस पर मुंबई। हॉलीवुड अभिनेता टॉम हॉलैंड की फिल्म 'स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन जारी है। रिलीज के सात दिन पूरे होने के बाद फिल्म ने भारत में 300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। डेस्टिन डेनियल क्रेटन के निर्देशन में बनी यह फिल्म टॉम हॉलैंड अभिनीत 'स्पाइडर-मैन श्रृंखला की चौथी कड़ी है। फिल्म ने रिलीज के सातवें दिन 15.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इससे पहले छठे दिन फिल्म ने 21.50 करोड़ रुपये और पांचवें दिन 23.80 करोड़ रुपये की कमाई की थी। भारत में फिल्म का कुल शुद्ध संग्रह अब तक 318.45 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। वहीं, दुनियाभर में फिल्म ने लगभग 9,702 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने का दावा किया जा रहा है। फिल्म में टॉम हॉलैंड के अलावा जेंडाया, जेकब बैटलन और सिडनी स्वीनी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी की बॉक्स ऑफिस रफ्तार अब धीमी पड़ती नजर आ रही है। फिल्म ने रिलीज के 20वें दिन 2.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जबकि 19वें दिन इसकी कमाई 2.40 करोड़ रुपये रही थी। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म अब तक कुल 156.45 करोड़ रुपये का संग्रह कर चुकी है। दक्षिण भारतीय अभिनेता थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन भी सिनेमाघरों में अपनी मौजूदगी बनाए हुए है। फिल्म ने रिलीज के 14वें दिन 1.80 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही इसका कुल शुद्ध संग्रह बढ़कर 183.35 करोड़ रुपये हो गया है। बॉक्स ऑफिस पर इस समय तीनों फिल्मों के बीच मुकाबला जारी है, हालांकि टॉम हॉलैंड की 'स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे कमाई के मामले में सबसे आगे बनी हुई है।

फिल्म मकुटम के ट्रेलर की रिलीज डेट का हुआ एलान, नया पोस्टर भी जारी

मकुटम ने ट्रेलर लॉन्च की तारीख का ऐलान करके फिल्म के प्रमोशन कैंपेन की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। लंबे समय से इंतज़ार किया जा रहा ट्रेलर 7 अगस्त को रिलीज़ किया जाएगा। मेकर्स को भरोसा है कि ट्रेलर इस प्रोजेक्ट को लेकर लोगों में उत्साह बढ़ाएगा और फिल्म की थिएटर रिलीज़ के लिए माहौल तैयार करेगा।

टीज़र, फर्स्ट-लुक पोस्टर और गानों से उत्सुकता जगाने के बाद, उम्मीद है कि ट्रेलर दर्शकों को मकुटम की एक्शन से भरपूर दुनिया की अब तक की सबसे बड़ी झलक दिखाएगा। विशाल के करियर में मकुटम का खास महत्व है क्योंकि यह उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। फिल्म में अंजलि और दुशारा विजयन मुख्य महिला भूमिकाओं में हैं और यह

14 अगस्त को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। इसका संगीत जी.वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है, जबकि एक्शन सीन दिलीप सुब्बारायन ने कोरियोग्राफ किए हैं, जिससे एक ज़बरदस्त थिएटर अनुभव मिलने का संकेत मिलता है।

रोजाना गोमुखासन करने से मिल सकते हैं कई स्वास्थ्य लाभ, जानिए अभ्यास का तरीका

गोमुखासन को योग की सबसे प्रभावी मुद्राओं में से एक माना जाता है। इसका अभ्यास करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। यहां हम आपको इस योगासन के बारे में विस्तार से बताएंगे और रोजाना इसे करने के फायदे भी बताएंगे। गोमुखासन का नाम 2 शब्दों से लिया गया है, जिसमें गौ का मतलब गाय और मुख का मतलब मुंह है। यह योगासन शरीर को ताकतवर और लचीला बनाने में मदद कर सकता है। सबसे पहले जमीन पर सीधे बैठें और अपने दाएं पैर को मोड़ते हुए बाएं घुटने के ऊपर से इसके किनारे जमीन पर रखें। इसी तरह अपने बाएं पैर को मोड़ते हुए दाएं घुटने के ऊपर से इसके किनारे जमीन पर रखें। अब अपने दोनों हाथों को कोहनी से मोड़ते हुए पीठ के पीछे आपस में पकड़ने का प्रयास करें। इस मुद्रा में कुछ मिनट रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। गोमुखासन का नियमित अभ्यास पीठ की समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकता है। यह योगासन पीठ के निचले हिस्से, कंधों और गर्दन की मांसपेशियों को मजबूती देता है। इसके अलावा यह योगासन रीढ़ की हड्डी को भी स्वस्थ रखता है। अगर आपको पीठ में दर्द की समस्या रहती है तो रोजाना इस योगासन का अभ्यास जरूर करें। इससे आपकी पीठ मजबूत बनेगी और दर्द से राहत भी मिलेगी। गोमुखासन पाचन क्रिया के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसका नियमित अभ्यास पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और पाचन क्रिया को सुधारता है। इससे कब्ज और गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। इसके अलावा यह योगासन पेट की अंदरूनी सफाई भी करता है और रक्त के प्रवाह को बेहतर बनाता है। अगर आप रोजाना गोमुखासन करते हैं तो आपकी पाचन क्रिया स्वस्थ रहती है और पेट संबंधी समस्याओं से दूर रहते हैं। गोमुखासन मानसिक शांति प्रदान करने में भी मददगार है। यह योगासन दिमागी तनाव को कम करता है और मन को शांत रखता है। इसके नियमित अभ्यास से ध्यान लगाने की क्षमता बढ़ती है और मानसिक स्पष्टता मिलती है। गोमुखासन करने से आप अधिक सतर्क और केंद्रित महसूस करते हैं, जिससे आपकी उत्पादकता भी बढ़ती है। यह योगासन मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है, जिससे आप अधिक शांत और खुश रहते हैं। गोमुखासन सांस संबंधी समस्याओं, जैसे अस्थमा और ब्रोंकाइटिस आदि में भी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इस योगासन का नियमित अभ्यास फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है और सांस लेने की प्रक्रिया को सुधारता है। गोमुखासन करने से श्वसन तंत्र मजबूत होता है, जिससे ऑक्सीजन का बेहतर उपयोग होता है। इसके अलावा यह योगासन श्वसन नलियों को खोलता है और फेफड़ों की कार्यक्षमता को सुधारता है, जिससे सांस संबंधी समस्याओं में राहत मिलती है।

Sick teen dies as ambulance gets stuck in mud for hours in J&K's Rajouri

NEW DELHI, AGENCY: A 17-year-old girl died while being taken to hospital in Jammu and Kashmir's Rajouri district after the vehicle carrying her remained stuck in mud for nearly three hours. The district administration has suspended a government engineer and ordered an inquiry into the incident.

The girl, a resident of remote Methyani village, had fallen seriously ill on Friday and was being taken to Government Medical College (GMC), Rajouri, when the vehicle became stranded following a mudslide at Chak Methyani, officials told news agency PTI.

Volunteers later managed to pull the vehicle out, but the girl's condition deteriorated and she died while she was being taken to the hospital, according to officials.

The incident occurred on the Chak Methyani-Panglar-Kotecharwal road, which serves as the only road link for several remote villages in the

area. The road was washed away near Methyani during last year's monsoon and had subsequently been restored temporarily.

The same stretch was hit by another mudslide around two weeks ago, leaving the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana (PMGSY) road unmotorable, officials said. According to the report submitted by the Additional Deputy Commissioner (ADC), Kotranka, the girl had been suffering from an illness for nearly a month and had previously been admitted to Government Medical College Hospital, Jammu. She was discharged around two weeks ago, but her condition worsened again, prompting her family to take her to GMC Rajouri.

The ADC's report said the blocked road resulted in a delay of nearly two to three hours. It also found that the stretch remained in "extremely poor condition" due to landslides and deep ditches, making it unfit for vehicular movement. The report further noted that residents of Narla Bamble, Kotecharwal and Panglar continued to face difficulties in transporting patients, food grains and fertilisers. The district administration said the executive engineer, PMGSY division Rajouri, had informed officials through an official WhatsApp group that the road had been restored and was "trafficable".

BRIFF NEWS

When 'healthy' is just a label

NEW DELHI, AGENCY: "Natural", "healthy", "organic", "heart-friendly", "high protein" and "zero maida" often persuades a shopper before the packet is even turned over. In a spate of notices sent in the past month, Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) has asked several brands whether their front-of-pack promises say more than the product can support.

FSSAI has issued notices to food businesses across categories including breads, chocolates, juices, cooking oils, noodles, supplements, packaged water and caffeinated drinks. The claims questioned range from "100% natural" and "organic" to immunity, detoxification, disease reduction and energy-boosting promises.

Eyeing framework to regulate OTT content: I&B min

NEW DELHI, AGENCY: The information and broadcasting (I&B) ministry has told a parliamentary committee that it is mulling a comprehensive statutory framework to regulate the airing of programmes on OTT platforms, "which are offensive to moral standards of society", without infringing upon the rights and freedom of individuals. The department-related standing committee on the ministry of home affairs, in its recommendations in the 259th report tabled in Parliament on Friday, said the proposed comprehensive statutory framework for regulating OTT content must incorporate robust technology-enabled age verification mechanisms, effective parental controls and suitable penalties for non-compliance.

No conflict of interest in RDI Fund, says government

NEW DELHI, AGENCY: The government on Friday said the Research, Development and Innovation (RDI) Fund is being implemented through a robust institutional framework with "stringent conflict-of-interest safeguards" in place, highlighting that it is designed "not to exclude domain expertise but to regulate it through clearly defined conflict-of-interest provisions". Rebutting a media report that 15 of the 22 entities that got public funds to boost India's deep-tech ambitions have investment links to seven members of the selection committee, raising questions of conflict of interest and propriety, Technology Development Board (TDB) secretary Rajesh Kumar Pathak said the mere existence of a professional or investment association with an innovation ecosystem entity does not constitute a violation of conflict-of-interest norms.

Akal Takht panel asks Punjab govt to address objections before anti-sacrilege talks'

NEW DELHI, AGENCY: The expert panel appointed by the Akal Takht on Friday asked the Punjab government to first submit a compliance report on the objections raised by the Sikh temporal seat before any further talks on the proposed anti-sacrilege law.

The panel, formed to discuss the Jaagat Jot Sri Guru Granth Sahib Satkar (Amendment) Act, 2026 with the state government, held its first meeting on Thursday. The panel said the Punjab government's July 29 response did not address the main concerns raised by the Akal Takht, especially those related to possible interference in Sikh religious matters.

On June 29, Akal Takht Jathedar Giani Kuldip Singh Gargajj had given the state government one month to respond

to his objections to the anti-sacrilege law.

In a statement on Friday, the Akal Takht secretariat said the government's response, submitted just before the deadline, was an attempt to avoid the main issues. It said the concerns of the Sikh community had already been conveyed to the Punjab assembly Speaker and members of the state Cabinet on July 31. The secretariat also accused the Bhagwant Mann-led government of not taking a constructive approach towards resolving the sensitive issue. It said that despite being given enough time, the Punjab government had not formed its own panel to discuss the matter.

Earlier, Jathedar Gargajj had rejected the government's response as "unsatisfactory" and announced a five-member expert panel to hold discussions with the Aam Aadmi Party government. The panel includes retired judges Rupinder Singh Sodhi and Mohinder Mohan Singh Bedi, senior advocate Puran Singh Hundal, and Sikh scholars Dr Kehar Singh and Prof Jagmohan Singh. The Jathedar had also written to Punjab assembly Speaker Kultar Singh, Sikh MLAs and state ministers, asking them not to discuss or amend the anti-sacrilege law without a wider "Panthic" consensus.

No conflict of interest in RDI Fund, says government

NEW DELHI, AGENCY: The government on Friday said the Research, Development and Innovation (RDI) Fund is being implemented through a robust institutional framework with "stringent conflict-of-interest safeguards" in place, highlighting that it is designed "not to exclude domain expertise but to regulate it through clearly defined conflict-of-interest provisions".

Rebutting a media report that 15 of the 22 entities that got public funds to boost India's deep-tech ambitions have investment links to seven members of the selection committee, raising questions of conflict of interest and propriety, Technology Development Board (TDB) secretary Rajesh Kumar Pathak said the mere existence of a professional or investment association with an innovation ecosystem entity does not constitute a violation of conflict-of-interest norms.

QR code, no queue: 25 crore OPD registrations go digital

NEW DELHI, AGENCY: The long wait at hospital registration counters is slowly giving way to a QR code. In a sign of India's growing digital health footprint, patients have now completed 25 crore outpatient (OPD) registrations through the ABHA-based 'Scan and Register' service under the Ayushman Bharat Digital Mission (ABDM), with nearly four lakh people using the facility every day.

Introduced in October 2022, the service allows patients to register for an OPD consultation by simply scanning a QR code displayed at participating hospitals through an ABDM-enabled health app. Once they give consent, their ABHA-linked details are shared with the hospital, eliminating paperwork and reducing waiting time at registration counters.

The service is now available in 30,800 hospitals and healthcare facilities across 36 states and Union Territories and 756 districts, making it one of the country's

fastest-growing digital public health services. More than 24,000 government facilities and 6,400 private hospitals have adopted the system.

The biggest users of the platform are in Bihar, which has recorded over 7.3 crore digital OPD registrations, followed by Uttar Pradesh (4.09 crore), Andhra Pradesh (3.38 crore) and Jammu & Kashmir (1.39 crore).

Among hospitals, AIIMS New Delhi has emerged as the country's busiest digital registration centre, recording over 54.29 lakh Scan and Register transactions. It is followed by AIIMS Bhopal (29.1 lakh), AIIMS Bhubaneswar (23.93 lakh), AIIMS Patna (19.62 lakh) and AIIMS Raipur (18.63 lakh).

Supeme Court to Mahua: Freedom fighters faced bullets, you fear eggs

NEW DELHI, AGENCY: The Supreme Court on Friday dismissed TMC MP Mahua Moitra's plea seeking permission to appear virtually before police in a case against her for uploading a provocative post on Facebook.

As the MP took the ground that she will be attacked by a mob if she physically went there

and eggs may be thrown at her, a bench of Justices Dipankar Datta and Sheel Nagu said, "You are an MP? Having taken the plunge into politics, you fear eggs? When our freedom fighters have taken bullets on their chest? These are applications that should not come before this court at all." Senior advocate Gopal Sankaranarayanan, appearing for the MP, contended before the bench that she should be permitted to appear before the investigation officer through video conferencing.

17.4 lakh blood components discarded in 2025 despite record collection

NEW DELHI, AGENCY: India discarded over 17.4 lakh blood components in 2025, even as blood collection reached a record 1.58 crore units, according to state-wise data tabled in the Rajya Sabha, highlighting continued challenges in blood inventory management despite a steady rise in donations. Available official data indicate that China and India are among the world's largest blood

collection programmes. In 2025, India collected 15.71 million units of blood, while China collected 25.5 million units, according to China's National Health Commission.

The data, reported by blood centres through the government's e-Raktakosh portal, show that expiry was the leading reason for discarding blood components, followed by reactive units and other operational reasons. Reason-wise discard data has been captured on the portal since 2024, while such details were not available for 2023.

Replying to a question in Parliament, the Union health ministry, however, said it had not received any report of regional blood shortages. It added that ensuring an adequate supply of safe blood and minimising wastage is primarily the responsibility of state governments and Union Territories, while the Centre advocates a hub-and-spoke model under which blood is collected and processed at high-volume centres before being distributed to smaller blood banks and storage centres.

Government maps 27 Arunachal border locations with standard names

NEW DELHI, AGENCY: The updated Survey of India map has assigned standard place and feature names to 27 Arunachal Pradesh sites, including four mountain passes and a high-altitude lake, as part of the Union government's strategy to remove any ambiguity on demarcation of territory and counter China's repeated attempts to rename places on this side of the McMahon Line.

The MHA said on Friday that the names were finalised in consultation with the Arunachal Pradesh government. "Identifying them formally on the Survey of India

map is aimed at facilitating their accurate recognition and better awareness among the public."

Of the 27 sites identified on the map, one is a monument. Three of the rest - Longju, Maja & Bisa - are strategically important border villages in Upper Subansiri district. There are also three passes along the McMahon Line, Dzo La, Riza La and Pukur La, in the same district. Thag La pass, a 1962 battleground, lies on the border in Tawang district. "These places are already marked on Indian military maps, even those of 1962 vintage. Identifying them on Survey of India maps is a bold counter to China," a source said.

Several of the named sites carry the weight of India-China conflict. Longju was one of the earliest flashpoints in the boundary dispute and was occupied by Chinese troops in 1959. Thag La overlooks Namka Chu valley, where the 1962 conflict began after Chinese forces crossed the McMahon Line.

Jaswant Garh, in Tawang, commemorates Rifleman Jaswant Singh Rawat, one of the most celebrated heroes of 1962 war. The Sher-e-Thapa Memorial in Upper Subansiri honours Hav Shere Thapa, whose resistance at Rio Bridge significantly delayed the Chinese advance in 1962. The lone lake named is Sambho Sarovar, a high-altitude glacial lake. The remaining land areas include Bara Kundun, Chhota Kundun and Dhan Bari in Anjaw district; Pritnagar, Buddhamandir, Jairampur, Teritnagar and Ramnagar in Changlang; Sagar, Padma, Jyotinagar and Baisakhi in West Kameng; Chhota Ropuk and Bara Ropuk in Upper Subansiri; and Shivaji Nagar, Sunpura and Kamlang Nagar in Lohit. In April, China announced Chinese names for 23 locations in Arunachal Pradesh, which Beijing refers to as "South Tibet". The external affairs ministry then said assigning "fictitious names" wouldn't alter the reality that Arunachal Pradesh "was, is, and will always remain an integral and inalienable part of India".